मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

# उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 289
शनिवार, 09 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

## बंगाल में घुसपैठ-गौ तस्करी होगा खत्मः अमित शाह

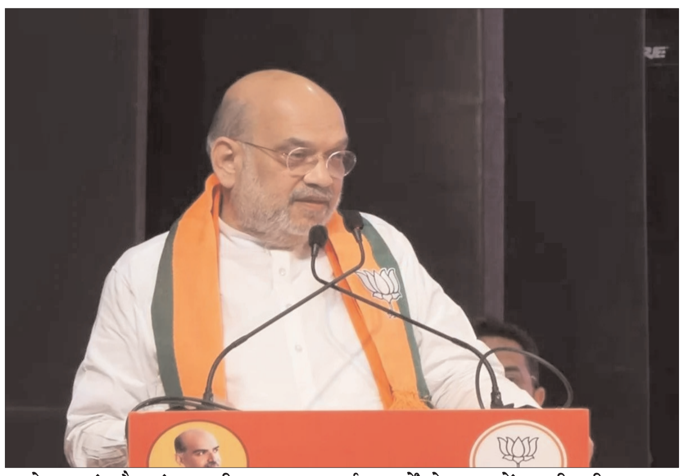

**कोलकाता, 08 मई।** कोलकाता में भाजपा विधायक दल की बैठक में अमित शाह ने कहा कि मैं आप सभी को, जिनमें बंगाल के अगले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी शामिल हैं, बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि हिंसा और धमकियों की कई घटनाएं हुई हैं, लेकिन बंगाल चुनाव में लोगों ने भाजपा पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, मैं बंगाल की जनता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। कम्युनिस्ट युग से चले आ रहे माहौल को ममता बनर्जी ने और भी गहरा कर दिया था, जिसके चलते वहाँ मतदान करना लगभग असंभव हो गया था। बंगाल की जनता ने भाजपा और हमारे नेता नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताकर जो भारी जीत दिलाई है, उसके लिए मैं उनका बहुत आभारी हूँ।

शाह ने कहा कि मैं पार्टी की ओर से यह भी कहना चाहता हूं कि बंगाल की जनता ने हम पर जो उम्मीदें रखी हैं, जिनके आधार पर उन्होंने हमें यह जनादेश दिया है, हम उस भरोसे को पूरी तरह से निभाने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा बंगाल की लोकतांत्रिक संरचना में बदलाव लाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले पांच दशकों से बंगाल लोकतंत्र के क्षरण, कानून-व्यवस्था के पतन, अर्थव्यवस्था की दुर्बलता और विकास की धीमी गति से जूझ रहा है। आज बंगाल एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है।

अमित शाह ने कहा कि आज त्रिपुरा में हमारी सरकार है, असम में हमारी सरकार है और अब बंगाल में भी हमारी सरकार बनी है... घसपैठ और गौ तस्करी असंभव होने वाली है। दृढ़ता के साथ बंगाल सरकार और भारत सरकार इस सीमा को राष्ट्र की सुरक्षा के अभेद किले की तरह परिवर्तित कर देगी। उन्होंने कहा कि हम सभी भाजपा कार्यकताओं का यह दायित्व है कि हम 'सोनार बांग्ला' के लक्ष्य को आगे बढ़ाएं और बंगाल की जनता की अपेक्षाओं को पूरा करें। आज कवि गुरु की ये पंक्तियाँ सत्य सिद्ध हो रही हैंः 'एक ऐसे बंगाल का मार्ग प्रशस्त हो चुका है जहाँ मन भयमुक्त हो और सिर गर्व से ऊंचा हो, और बंगाल उस मार्ग पर चल रहा है।

शाह ने कहा कि जब अनुच्छेद 370 हटा तो देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं के मन में खुशी की लहर दौड़ी, लेकिन मुझे कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने कहा था कि अभी भी कसर बाकी है। तब मैंने आश्चर्य से पूछा था, अब क्या बचा? तब उन्होंने कहा था, बंगाल में भाजपा का झंडा फहराना बाकी है। मैं मानता हूं कि आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जहां भी होंगे, पीएम मोदी के नेतृत्व को आशीर्वाद दे रहे होंगे कि आज मोदी जी के नेतृत्व ने भाजपा को गंगोत्री से गंगासागर तक पहुंचाया।

अमित शाह ने ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए भाबानीपुर के सभी मतदाताओं को धन्यवाद दिया। निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कटाक्ष करते हुए शाह ने कहा, दीदी, इस बार सुवेंदु दा (अधिकारी) ने आपको आपके घर में ही हरा दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं को जनता की आजीविका और रोजगार के बारे में बोलने का कोई अवसर नहीं दिया जाता। उन्हें जनता की भावनाओं को व्यक्त करने की अनुमति नहीं है। फिर भी, सत्ताधारी दल नौ जिलों में शून्य पर सिमट गया है। यह केवल ईश्वर की कृपा और बंगाल की जनता के समर्थन के कारण ही संभव हुआ है।

## सुवेंदु अधिकारी होंगे बंगाल के नए मुख्यमंत्री, आज सुबह 11 बजे लेंगे शपथ

**कोलकता, 08 मई।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सुवेंदु अधिकारी शुक्रवार को पार्टी के विधायक दल के नेता चुने गए, जिससे पश्चिम बंगाल के अगले मुख्यमंत्री बनने का उनका रास्ता साफ हो गया। यह घोषणा कोलकाता में भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों की एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद की गई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी और पार्टी की बंगाल इकाई के प्रमुख सामिक भट्टाचार्य भी उपस्थित थे।

अधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह अब शनिवार (9 मई) को सुबह 11 बजे कोलकाता के परेड ग्राउंड में होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शाह, विभिन्न केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। बंगाल की राजनीति में अधिकारी का उदय उल्लेखनीय रहा है। वे कभी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी के भरोसेमंद सहयोगी थे, लेकिन राज्य में 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा में शामिल हो गए थे।

तब से, अधिकारी बनर्जी के खिलाफ भाजपा के अभियान में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। 2021 के चुनावों में, बनर्जी ने नंदीग्राम में अधिकारी को चुनौती दी थी; हालांकि, टीएमसी सुप्रीमो अपने सहयोगी से प्रतिद्वंद्वी बने अधिकारी से मामूली अंतर से हार गईं। 2026 के चुनावों के लिए, भाजपा नेतृत्व ने अधिकारी को नंदीग्राम और भाबनीपुर, दो सीटों से मैदान में उतारा। भाबनीपुर को बनर्जी का गढ़ माना जाता है, लेकिन अधिकारी ने लगातार दूसरी बार उन्हें 15,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के अनुसार, अधिकारी को 73,917 वोट मिले, जबकि बनर्जी को 58,812 वोट प्राप्त हुए।

गौरतलब है कि अधिकारी पांच बार विधायक रह चुके हैं। अधिकारी ने पहली बार 2001 में पश्चिम बंगाल का चुनाव मुगबेरिया से लड़ा था, लेकिन लगभग 15,000 वोटों से हार गए थे। वे पहली बार 2006 में कांथी दक्षिण से पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए चुने गए थे। 2016 में उन्होंने अपनी सीट बदलकर नंदीग्राम कर ली, जिसे वे 2021 में बरकरार रखने में सफल रहे। 2026 में, उन्होंने नंदीग्राम और भाबनीपुर से चुनाव लड़ा और दोनों में जीत हासिल की।

## अब लड़ाई केवल चुनाव प्रक्रिया बचाने की नहीं, बल्कि देश को बचाने की है : अखिलेश यादव

**लखनऊ, 08 मई।** समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल दौरे के बाद शुक्रवार को कहा कि चुनावी महाधांधली और महाबेईमानी देखकर लगा कि अब लड़ाई केवल चुनाव प्रक्रिया बचाने की नहीं, बल्कि देश को बचाने की है।

सपा मुख्यालय से जारी एक बयान के अनुसार यादव ने कहा कि आज देश उन हाथों में है जो संविधान, लोकतंत्र, आरक्षण, स्वतंत्रता, समता, न्याय, गरिमा, एकता-अखंडता, सद्भाव, बंधुत्व, महिलाओं के मान-सम्मान तथा युवाओं, किसानों, मजदूरों, शोषित, वंचित और गरीब, यानी पीडीए के हक और अधिकारों के घोर विरोधी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपाई और उनके संगी-साथी

आजादी से पहले भी देश के विरोधी थे और आजादी के बाद भी ऐसे ही हैं।

यादव ने कहा,"अब देशवासियों को समझना होगा कि देश की एकता और व्यवस्था को कमजोर करने वाले ये लोग किसके एजेंट हैं? स्वदेशी की बात कर विदेश से पैसा लेने वाले ये लोग कौन हैं? ये संगठन गैर पंजीकृत क्यों हैं और भूमिगत क्यों रहते हैं? कोविड के नाम पर जमा चंदे का हिसाब क्यों नहीं देते हैं?" उन्होंने पूछा, "योजना आयोग खत्म कर देश का विकास क्यों रोका गया? शिक्षा पर कब्जा कर देश की मानसिक शक्ति खोखली क्यों की जा रही है? सरकारी स्कूल बंद कर आम जनता के बच्चों को अनपढ़ रखने का षड्यंत्र क्यों रचा गया?"

उन्होंने कहा कि विश्वगुरु का दावा करने वाले, विदेश भागे देश के लुटेरों को वापस क्यों नहीं ला रहे? उन्होंने कहा कि साम्प्रदायिकता फैलाकर एकता तोड़ने और राजनीतिक दलों को तोड़कर राज-व्यवस्था नेस्तनाबूद करने पर वे क्यों आमादा हैं? यादव ने कहा, " अब निर्णायक समय आ गया है। हम सबको मिलकर इन देश विरोधी नकारात्मक ताकतों को हमेशा के लिए हराना होगा, देश को बचाना होगा और देश की नई आजादी के लिए तिरंगा उठाना होगा।

## बहुमत का जुगाड़ पूरा, राज्यपाल ने दिया न्योता, विजय आज बनेंगे तमिलनाडु के सीएम, 11 बजे लेंगे शपथ

**तमिलनाडु, 08 मई।** अभिनेता से राजनेता बने और तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के प्रमुख विजय शनिवार (9 मई) को तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, शपथ ग्रहण समारोह सुबह 11 बजे होगा। विजय ने शुक्रवार को राज्यपाल आर.वी. अर्लेकर से तीसरी बार मुलाकात की और 121 विधायकों के समर्थन पत्र के साथ सरकार बनाने का दावा पेश किया। तमिलनाडु में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल दोनों वामपंथी दलों -- मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने कहा कि यह (समर्थन देने का) निर्णय भाजपा को राज्य में पिछले दरवाजे से प्रवेश करने से रोकने के लिए लिया गया है।

हालांकि, राज्य के अधिकारों के मामले में वे (वाम दल) द्रमुक के साथ बने रहेंगे। वाम दलों ने घोषणा की कि वे टीवीके मंत्रिमंडल का हिस्सा नहीं बनेंगे।

भाकपा और माकपा, दोनों के दो-दो विधायक हैं। उन्होंने दिनभर की चर्चा के बाद अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी को अपना समर्थन देने की घोषणा की। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की 108 सीटें हैं, लेकिन यह बहुमत के आंकड़े से 10 कम है। टीवीके ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सहयोगी दलों माकपा, भाकपा और विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) से संपर्क किया था तथा 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने के बाद सरकार बनाने के लिए उनका समर्थन मांगा था।

भाकपा, माकपा और वीसीके, प्रत्येक के दो-दो विधायक हैं। एक ओर जहां भाकपा ने शुरूआत में तमिलनाडु के राज्यपाल को टीवीके को समर्थन देने के अपने फैसले की सूचना दी, वहीं माकपा ने भी कुछ ही समय बाद अपने सहयोगी दल का अनुसरण किया, जिससे विजय की पार्टी साधारण बहुमत के काफी करीब पहुंच गई। वाम दलों ने राज्यपाल को संबोधित पत्र में टीवीके को अपना समर्थन देने की जानकारी दी। पांच विधायकों वाली कांग्रेस ने पहले ही टीवीके को समर्थन दे दिया है।

विधानसभा चुनावों में टीवीके 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार, पार्टी संस्थापक विजय को अपनी जीती हुई दो सीटों में से एक को छोड़ना होगा। विजय को चेन्नई के पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व सीटों में से एक को छोड़ना पड़ेगा।

उनके ऐसा करने की स्थिति में टीवीके और उसका समर्थन कर रहे विधायकों की कुल संख्या अब 116 हो गई है।

ऐसे में, विजय को अपनी पहली सरकार बनाने के लिए अब दो और विधायकों के समर्थन की आवश्यकता है और दो विधायकों वाली वीसीके इस संबंध में शनिवार को अपना रुख सार्वजनिक करने वाली है। इस बात की प्रबल संभावना है कि वह वामपंथी दलों का अनुसरण कर सकती है।

## मल्लिकार्जुन खरगे का मोदी सरकार पर बड़ा हमला

**नई दिल्ली, 08 मई।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उसके बारह वर्षों के शासन ने कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा के संबंध में किए गए दावों की खोखली सच्चाई उजागर कर दी है। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी) की एक रिपोर्ट के आंकड़ों का हवाला देते हुए खर्गे ने दावा किया कि 2013 से कमजोर वर्गों के खिलाफ अत्याचारों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, 2013 से महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 42.6% की वृद्धि हुई है। बच्चों के खिलाफ अपराधों में 204.6% की वृद्धि हुई है। दलितों के खिलाफ अत्याचारों में

41.3% की वृद्धि हुई है। आदिवासियों के खिलाफ अपराधों में 46.7% की वृद्धि हुई है। साइबर अपराध में 1,689% की भारी वृद्धि हुई है। और 2024 में 10,546 किसानों, 52,931 दिहाड़ी मजदूरों और 14,488 छात्रों ने आत्महत्या की है।

इस बीच, राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग (एनसीआरबी) की 2024 की आधिकारिक रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में कानून से संघर्ष कर रहे किशोरों से जुड़े मामलों और वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराधों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। 2024 में किशोरों के खिलाफ कुल 34,878 मामले दर्ज किए गए, जो 2023 में दर्ज किए गए 31,365 मामलों की तुलना में 11.2 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ते हैं। अपराध दर भी 2023 में 7.1 से बढ़कर 2024 में 7.9 हो गई। इस वर्ष के दौरान, इन मामलों के संबंध में 42,633 किशोरों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 34,648 किशोर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपराधों में शामिल थे, जबकि 7,985 विशेष और स्थानीय कानूनों (एसएलएल) से जुड़े थे।

## फिन एलन के शतक से बेबस हुई दिल्ली, कोलकाता ने घर में किया शर्मसार

**नई दिल्ली।** फिन एलन के रिकॉर्ड शतक के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 8 विकेट से जीत हासिल की। एलन ने दिल्ली के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की और नाबाद 100 रनों की पारी खेली। मुकाबले में दिल्ली की बल्लेबाजी बुरी तरह से फ्लॉप रही और पूरी टीम मात्र 142 रन ही बना सकी और इस लक्ष्य को कोलकाता ने आसानी से हासिल कर लिया।

केकेआर के लिए एलन ने आईपीएल इतहास का सबसे तेज शतक लगाया। उनकी आईपीएल करियर का ये पहला शतक है। कोलकाता के लिए गेंदबाजी में भी अनुकूल रॉय और कार्तिक त्यागी ने 2-2 विकेट हासिल किए, जिसकी वजह से दिल्ली की टीम 142 रन तक ही सीमित रही।

दिल्ली को पथुम निसांका और केएल राहुल ने संभली हुई शुरूआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने शुरूआती ओवरों में जोखिम कम लिया और विकेट बचाने पर ध्यान दिया। पांच ओवर में दोनों के बीच 49 रन की साझेदारी हुई। निसांका शुरूआत से ही आक्रामक नजर आए, जबकि राहुल काफी सतर्क होकर बल्लेबाजी करते दिखे।

# बंगाल की हिंसा है लोकतंत्र पर धब्बा और बड़ी चुनौती

-ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल में हाल ही में सम्पन्न विधानसभा चुनावों के बाद जिस प्रकार हिंसा, हत्याओं, आगजनी और राजनीतिक प्रतिशोध की घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने केवल राज्य की शांति को ही नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को भी आहत किया है। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव माना जाता है, किंतु जब यह उत्सव हिंसा, भय और प्रतिशोध में बदल जाए तो यह केवल राजनीतिक असफलता नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का संकेत बन जाता है। बंगाल की ताजा हिंसक घटनाएं इसी चिंता को सामने लाती हैं। चुनाव के दौरान छिटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो मतदान अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ था। लेकिन परिणामों की घोषणा के बाद जिस प्रकार राजनीतिक दलों के समर्थक एक-दूसरे के खिलाफ आक्रामक हुए, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब वैचारिक संघर्ष न रहकर प्रतिशोध और वर्चस्व की लड़ाई बनती जा रही है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकताओं के बीच हिंसक झड़पें, कई लोगों की हत्याएं और विशेष रूप से सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या ने पूरे घटनाक्रम को और अधिक गंभीर बना दिया। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह क्यों बची रहनी चाहिए? यह विडंबना है कि भारत, जिसने विश्व को अहिंसा, करुणा और ह्ववसुधैव कुटुम्बकम्ह्व का मंत्र दिया, आज वही देश राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी छवि धूमिल करता दिखाई देता है। महात्मा गांधी ने राजनीति को नैतिकता और सेवा से जोड़ा था, लेकिन आज

राजनीति सत्ता, प्रतिशोध और भय का माध्यम बनती जा रही है। बंगाल की हिंसा इस बीमारी का एक भयावह उदाहरण है। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक इतिहास हिंसा से अछूता नहीं रहा है। वामपंथी शासन के लंबे दौर से लेकर तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल तक राजनीतिक संघर्ष कई बार रक्तरंजित रूप में सामने आया। बूथ कब्जाने, विरोधियों को डराने, स्थानीय दबंगों और अपराधी तत्वों का राजनीतिक संरक्षण-ये सब बंगाल की राजनीति की कटु वास्तविकताएं रही हैं। सत्ता बदलती रही, लेकिन राजनीतिक संस्कृति में अपेक्षित परिवर्तन नहीं आ सका। यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद भी हिंसा का वातावरण बनता है और आम नागरिक भय तथा असुरक्षा के बीच जीने को मजबूर होता है।

दरअसल जब राजनीति विचार और जनसेवा से हटकर केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम बन जाती है, तब हिंसा उसका स्वाभाविक परिणाम बनती है। हार को लोकतांत्रिक विनम्रता से स्वीकार करने के बजाय प्रतिशोध का माध्यम बना लेना लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है। यही कारण है कि चुनाव आयोग के स्पष्ट निदेशों और विजय जुलूसों पर प्रतिबंध के बावजूद हिंसक घटनाएं हुईं। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों की नैतिक विफलता भी है। ममता बनर्जी द्वारा चुनाव परिणामों पर सवाल उठाना और राजनीतिक टकराव को तीखा बनाना हो या भाजपा द्वारा आक्रामक राजनीतिक प्रतिक्रिया-दोनों पक्षों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में विपक्ष और सत्ता दोनों की जिम्मेदारी होती है कि वे जनता को शांति और संयम का संदेश दें। दुर्भाग्य से हमारे राजनीतिक दल अक्सर कार्यकताओं की भावनाओं को नियंत्रित करने के बजाय उन्हें उकसाने का काम करते हैं। परिणामस्वरूप हिंसा सामान्य राजनीतिक व्यवहार का हिस्सा बनती जा रही है।

सबसे अधिक पीड़ा इस बात की है कि राजनीतिक हिंसा की कीमत हमेशा आम जनता को चुकानी पड़ती है। जिन लोगों के घर जलते हैं, जिन परिवारों के सदस्य मारे जाते हैं, जिन छोटे व्यापारियों की दुकानें टूटती हैं, उनका राजनीति से कोई सीधा संबंध नहीं होता। वे केवल उस हिंसक मानसिकता के शिकार बनते हैं जो सत्ता को मानवता से ऊपर मानती है। यह प्रश्न गंभीरता से पूछा जाना चाहिए कि आखिर राजनीतिक दल हिंसा का सहारा क्यों लेते हैं? जबकि इतिहास गवाह है कि हिंसा कभी स्थायी समाधान नहीं देती। हिंसा केवल भय, अविश्वास और प्रतिशोध को जन्म देती है। जो दल हिंसा को हथियार बनाते हैं, वे अंततः जनता की नजरों में अपना नैतिक अधिकार खो देते हैं। राजनीति का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए, तोड़ना नहीं।

आज भारत एक नए वैश्विक दौर में प्रवेश कर रहा है। दुनिया भारत को एक उभरती आर्थिक शक्ति, तकनीकी महाशक्ति और लोकतांत्रिक मॉडल के रूप में देख रही है। वर्ष 2047 तक जब भारत अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब हमारा लक्ष्य केवल आर्थिक विकास नहीं होना चाहिए, बल्कि एक ऐसे सभ्य और नैतिक राष्ट्र का निर्माण भी होना चाहिए जहां राजनीति का आधार अहिंसा, संवाद और संवेदनशीलता हो। यदि राजनीतिक दल नफरत, सांप्रदायिकता और हिंसा को अपना हथियार बनाए रखेंगे, तो विकसित भारत का सपना अधूरा रह जाएगा। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना रही है। गौतम बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया, महावीर ने अहिंसा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य बताया, गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर साम्राज्य को चुनौती दी। यह वही भारत है जिसने दुनिया को यह सिखाया कि मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति प्रेम और सह-अस्तित्व है। लेकिन आज राजनीतिक स्वार्थों और गैर-राजनीतिक आपराधिक तत्वों के कारण देश की छवि प्रभावित हो रही है। अपराधी मानसिकता के लोग राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कर लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। वे दल बदलते रहते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य केवल शक्ति और स्वार्थ की पूर्ति होता है। बंगाल की ताजा घटनाओं में भी ऐसे तत्वों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता।

समाधान केवल प्रशासनिक कठोरता में नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति के परिवर्तन में निहित है। सबसे पहले सभी राजनीतिक दलों को सार्वजनिक रूप से हिंसा की निंदा करनी चाहिए और अपने कार्यकताओं को संयम बरतने का स्पष्ट संदेश देना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र प्रतिद्वंद्विता का नहीं, सह-अस्तित्व का नाम है। दूसरा, कानून व्यवस्था को लेकर ह्वजीरो टॉलरेंसह्व की नीति अपनानी होगी। किसी भी दल से जुड़े उपद्रवियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस और प्रशासन को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखकर संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्क निगरानी बढ़ानी होगी। तीसरा, राजनीति के अपराधीकरण पर कठोर नियंत्रण आवश्यक है। ऐसे लोगों को राजनीतिक दलों में प्रवेश ही न मिले जिनकी पृष्ठभूमि हिंसक और आपराधिक रही हो। राजनीतिक दलों को अपने भीतर नैतिक अनुशासन विकसित करना होगा। चैथा, समाज में लोकतांत्रिक शिक्षा और संवेदनशीलता का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं में संवाद, सहिष्णुता और अहिंसा के मूल्यों को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। जब तक समाज स्वयं हिंसा को अस्वीकार नहीं करेगा, तब तक राजनीतिक हिंसा का अंत कठिन होगा। बंगाल की ताजा हिंसा केवल एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी है। यदि हमने समय रहते राजनीति को स्वस्थ मूल्यों की ओर नहीं मोड़ा, तो नफरत और हिंसा लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती रहेंगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी आत्मा को पहचाने। यह देश युद्ध और प्रतिशोध की नहीं, बल्कि शांति, सह-अस्तित्व और विश्वबंधुत्व की भूमि है। ह्ववसुधैव कुटुम्बकम्ह्व केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता का मूल दर्शन है। यदि राजनीति इस दर्शन से विमुख होगी, तो लोकतंत्र केवल सत्ता संघर्ष बनकर रह जाएगा। पश्चिम बंगाल को अब हिंसा और प्रतिशोध की राजनीति से बाहर निकलकर विकास, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक समरसता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। यही लोकतंत्र की गरिमा है, यही जनता की अपेक्षा है और यही विकसित भारत का मार्ग भी।

# तमिलनाडु में क्या दुश्मन बन जाएंगे दोस्त?

अशोक भाटिया

तमिलनाडु की राजनीति में पर्दे के पीछे कुछ ऐसी खिचड़ी पक रही है, जिसने सुपरस्टार से नेता बने थलापति विजय की टेंशन बढ़ा दी है। खबर है कि विजय की पार्टी TVK को सत्ता से दूर रखने के लिए राज्य के दो सबसे बड़े राजनीतिक दुश्मन DMK और AIADMK एक साथ आ सकते हैं।

सबसे बड़ी पार्टी बनने के बाद भी विजय के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी अभी दिल्ली दूर जैसी है। गुरुवार को विजय लगातार दूसरे दिन राज्यपाल से मिलने पहुंचे, लेकिन बात हाथ मिला लेने भर से नहीं बनी। दरअसल, तमिलनाडु विधानसभा में बहुमत के लिए 118 विधायक चाहिए। विजय की पार्टी TVK के पास अभी 107 विधायक हैं, विजय खुद दो सीट जीते थे, इसलिए एक सीट छोड़ने के बाद आंकड़ा यहां तक पहुंचता है। नतीजों में टीवीके 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी तो बनी, लेकिन पेंच विजय की दोहरी जीत में फंस गया है। विजय ने दो सीटों से चुनाव जीता है, और नियम के मुताबिक एक सीट छोड़ते ही उनकी पार्टी का संख्याबल 107 रह जाएगा। कांग्रेस की 5 सीटों के समर्थन के बावजूद यह आंकड़ा 112 तक ही पहुंच पा रहा है, जो 118 के जादुई आंकड़े से 6 कम है। पहले खबर थी कि विजय 7 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे, लेकिन अब पर्याप्त संख्याबल न होने के कारण शपथ ग्रहण टलने के पूरे आसार नजर आ रहे हैं।कांग्रेस के 5 विधायकों ने उन्हें साथ दिया है, यानी कुल स्कोर 112 तक पहुंचा है। मैजिक फिगर (118) तक पहुंचने के लिए अभी भी 6 विधायक कम पड़ रहे हैं। राज्यपाल ने साफ कह दिया है कि 'जब तक 118 का लेटर नहीं दिखाओगे, शपथ नहीं होगी।' विजय ने इसके लिए थोड़ा समय मांगा है, लेकिन यही समय उनके विरोधियों के लिए मौका बन गया है।

सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा DMK और AIADMK की 'सीक्रेट डील' की है। कहा जा रहा है कि विजय को रोकने के लिए दोनों पार्टियां बैकचैनल यानी चोरी-छिपे बातचीत कर रही हैं। चर्चा है कि AIADMK सरकार बनाएगी और DMK उसे बाहर से समर्थन देगी। अगर ऐसा होता है, तो यह तमिलनाडु के इतिहास का सबसे बड़ा राजनीतिक उलटफेर होगा।

इधर जैसे ही राज्य में दो धुर-विरोधी दलों के गठबंधन की सुगबुगाहट बढ़ी, 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' की एंट्री हो गई। AIADMK के 28 विधायकों को आनन-फानन में पुडुचेरी के एक प्राइवेट रिसॉर्ट में शिफ्ट कर दिया गया है। ऐसे में किसी बड़े खेल की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है।सिर्फ विजय ही नहीं, बल्कि बाकी दल भी एक्टिव हैं। चेन्नई में CPI, CPM और VCK के नेताओं ने बड़ी मीटिंग की है। VCK नेता थोल तिरुमावलवन अचानक एमके स्टालिन के घर भी पहुंचे हैं। ऐसे में कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

इस बीच सबसे चौंकाने वाली खबर यह आ रही है कि दशकों से एक-दूसरे की कट्टर दुश्मन रही डीएमके (DMK) और एआईएडीएमके (AIADMK) गठबंधन की संभावनाओं पर विचार कर रही हैं। सूत्रों की मानें तो दोनों द्रविड़ दल विजय की बढ़ती ताकत को रोकने के लिए हाथ मिला सकते हैं। यदि ये दोनों धुर-विरोधी दल साथ आते हैं, तो तमिलनाडु की राजनीति में यह अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर होगा। फिलहाल पूरी नजर राजभवन पर टिकी है कि क्या विजय जरूरी समर्थन जुटा पाएंगे या फिर तमिलनाडु की पुरानी ताकतें मिलकर नया खेल करेंगी।

गौरतलब है कि भयंकर विरोध के बावजूद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने विजय की पार्टी को समर्थन देकर पहले ही अपने पत्ते खोल दिए हैं। कांग्रेस के इस कदम ने DMK खेमे में खलबली मचा दी है, जिससे मुख्यमंत्री स्टालिन और AIADMK खेमे के बीच बातचीत की राह आसान हुई है। चेन्नई की सड़कों पर चर्चा आम है कि क्या यह गठबंधन केवल सरकार बनाने के लिए है या भविष्य में फिल्म स्टार्स की राजनीति को जड़ से उखाड़ने की एक सोची-समझी रणनीति तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को देखते हुए टीवीके ने विजय को चुनाव की सारी जिम्मेदारी दी है कि वे आगे गठबंधन के बारे में फैसला करें। इसके साथ ही पार्टी ने दो करोड़ नए सदस्यों को जोड़ने का बड़ा लक्ष्य रखा है। विजय सितंबर से दिसंबर के बीच तमिलनाडु के हर कोने का दौरा करेंगे और जनता से मिलकर समर्थन जुटाएंगे। टीवीके की इस तैयारी को देखते हुए यह साफ है कि पार्टी आने वाले चुनावों में एक नई ताकत के तौर पर सामने आना चाहती है और तमिलनाडु की राजनीति में बदलाव लाने की कोशिश कर रही है।

तमिलनाडु में नई सरकार के गठन की राह मुश्किल होती नजर आ रही है। 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थलपति विजय की टीवीके, कांग्रेस के समर्थन के साथ सरकार बनाने का दावा पेश करने राज्यपाल के पास पहुंची। लेकिन सरकार बनाने के लिए 118 विधायकों की पर्याप्त संख्या नहीं होने पर राज्यपाल ने उन्हें वापस भेज दिया। इस बीच तमिलनाडु की राजनीति के दो धुर प्रतिद्वंद्वी डीएमके और एआईएडीएमके के साथ आने की खबर ने सभी को चौंका दिया।

एआईएडीएमके के सूत्रों का दावा है कि उनकी डीएमके के साथ गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही है और अभी डीएमके की तरफ से ये फैसला होना बाकी है कि वो इस गठबंधन को लेकर क्या फैसला लेगी। अगर ये गठबंधन होता है तो ऐसे में तीन स्थितियां बनेंगी। इनमें पहली स्थिति बनने की संभावना बहुत मुश्किल है, जिसमें डीएमके गठबंधन और एआईएडीएमके गठबंधन हो जाए। ये इसलिए मुश्किल है क्योंकि डीएमके में कांग्रेस है और एआईएडीएमके में बीजेपी है।

इस बीच तमिलनाडु के सियासी गेम में अचानक भाजपा की एंट्री हो गई है। सरकार वाली फ्रेम में अब तक भाजपा नहीं थी। मगर अब भाजपा ने एआईएडीएमके को धर्मसंकट में डाल दिया है। मगर एक्टर विजय के लिए तब भी खुशखबरी ही है।जी हां, भाजपा के नए दांव से टीवीके चीफ थलापति विजय की चांद ही चांदी है। भाजपा अब चाहती है कि टीवीके की ही तमिलनाडु में सरकार बने। इसके लिए भाजपा तमिलनाडु में अपनी सहोयगी एआईएडीएमके को थलापति विजय की ळश्ङ के साथ गठबंधन के लिए जोर दे रही है। भाजपा के इस दांव से एआईएडीएमके धर्मसंकट में है। एआईएडीएमके पर टूट यानी विभाजन का खतरा मंडरा रहा है। उसे भी उद्धव ठाकरे की शिवसेना जैसा खतरा महसूस हो रहा है।

मीडिया में आ रही खबर के मुताबिक, तमिलनाडु रिजल्ट के बाद एआईएडीएमके (AIADMK) अपने सबसे गंभीर अंदरूनी संकट की ओर बढ़ती दिख रही है। एआईएडीएमके विजय की टीवीके के साथ गठबंधन को लेकर धर्मसंकट में है। पार्टी के भीतर इस बात पर गहरे मतभेद उभर आए हैं कि क्या थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (TVK) को गठबंधन सरकार बनाने में समर्थन दिया जाए या नहीं। सूत्रों का कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम के पीछे भाजपा बहै। भाजपा नहीं चाहती कि टीवीके और कांग्रेस का गठबंधन हो। इसके लिए भाजपा चाहती है कि एआईएडीएमके और टीवीके साथ मिलकर सरकार बनाए। इसकी वजह है भाजपा की जिद, सके तहत वह कांग्रेस को तमिलनाडु की सत्ता में आने से रोकना चाहती है।

खुद एआईएडीएमके के सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि भाजपा टॉप लीडरशिप इस बात से असहज है कि तमिलनाडु में कांग्रेस के सममर्थन से टीवीके की सरकार बन सकती है। वह भी ऐसी स्थिति में जब पड़ोसी राज्य केरल में कांग्रेस ने एक बार फिर से जोरदार वापसी की है। यही कारण है कि भाजपा नहीं चाहती कि तमिलनाडु की सत्ता में कांग्रेस की किसी भी तरह वापसी हो।

हालांकि, भाजपा के दांव से एआईएडीएमके में धर्मसंकट है। यह संकट तब और गहरा गया, जब मंगलवार रात एआईएडीएमके की वरिष्ठ नेता लीमा रोज मार्टिन ने सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया कि टीवीके और अक्अउ्ङ के बीच बातचीत चल रही है। लीमा रोज मार्टिन लॉटरी किंग की पत्नी हैं। उनके बेटे पुडुचेरी से विधायक हैं और एनडीए गठबंधन का हिस्सा हैं। इसलिए एआईएडीएमके का एक खेमा चाहता है कि विजय की पार्टी संग गठबंधन हो। मगर एक खेमा चाहता है कि गठबंधन न हो। ऐसे में एआईएडीएमके में टूट का खतरा मंडरा रहा है। इस बीच टीवीके यानी तमिलगा वेत्री कड़गम के संस्थापक विजय ने सरकार गठन पर चर्चा के लिए गुरुवार को चुनाव जीतने वाले पार्टी के नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। यह बैठक सरकार बनाने के लिए टीवीके के बहुमत से कुछ सीट पीछे रहने की पृष्ठभूमि में हो रही है। कांग्रेस के पांच विजयी उम्मीदवारों ने टीवीके को समर्थन देने की पेशकश की है, लेकिन विजय की पार्टी को 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत नहीं मिल पा रहा है।

अगर डीएमके और एआईएडीएमके के बीच गठबंधन होता है तो ये तमिलनाडु की राजनीति के लिए अभूतपूर्व घटना होगी। साल 1967 के बाद से ही तमिलनाडु की सत्ता इन दोनों पार्टियों में से किसी एक के पास रही है। ये दोनों पार्टियां एक दूसरे की दुश्मन रही हैं। डीएमके के 1967 से सत्ता में आने के बाद से कोई राष्ट्रीय पार्टी तमिलनाडु में जगह नहीं बना सकी। उस जमाने में करुणानिधि और जयललिता की दुश्मनी का स्तर बहुत अलग था। करुणानिधि डीएमके से थे और जयललिता एआईएडीएमके से थीं। ये दोनों विधानसभा में कभी ज्यादा मुस्कुराए नहीं और अपने रिश्तों में कटुता को हमेशा कायम रखा। कहीं किसी कार्यक्रम में मंच साझा करना हो या किसी राज्य और राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में शामिल होना हो, तब भी डीएमके और एआईएडीएमके ने दूरी बनाकर रखी। डीएमके और एआईएडीएमके के नेता सिर्फ एक-दूसरे को नापसंद नहीं करते थे बल्कि दोनों एक-दूसरे से पूरी तरह नफरत करते थे। इसी नफरत में मार्च 1989 में जयललिता की विधानसभा में करुणानिधि की मौजूदगी में साड़ी खींची गई थी। इसके अलावा करुणानिधि ने जयललिता को भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल भी भेजा था और फिर जब जयललिता सत्ता में आईं तो उन्होंने भी करुणानिधि को उनके घर से आधी रात को गिरफ्तार करवा लिया था, जिससे आप ये समझ पाएंगे कि अगर ये दो दुश्मन पार्टियां गठबंधन कर रही हैं तो इनके मकसद है इनके वर्चस्व को तोड़ने वाले थलपति विजय को सरकार बनाने से रोकना है।

# अखिलेश की भेष बदल कर हिन्दू वोटों की फसल काटने की तिकड़म

-अजय कुमार

समाजवादी दल का इतिहास गवाह है कि जब भी चुनावी मौसम करवट लेता है, तब यह दल भी अपना रंग बदलने लगता है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता दल की जीत ने उत्तर प्रदेश की सियासत में एक नई हलचल पैदा कर दी है। बंगाल के नतीजों ने यह साफ कर दिया कि हिंदू मतदाता एकजुट होकर मतदान करे तो किसी भी दुर्ग को ढहाया जा सकता है। इस संदेश को समाजवादी दल के मुखिया अखिलेश यादव ने बखूबी पढ़ लिया और देखते ही देखते उनकी सियासत का रंग बदलने लगा। अखिलेश यादव, जो कभी जाति और वर्ग की राजनीति के पुरोधा माने जाते थे, आजकल सामाजिक माध्यमों पर बजरंग बली की तस्वीर के साथ चौपाइयाँ लिख रहे हैं। समाजवादी दल के प्रदेश कार्यालय में बड़े मंगल पर पूजा-अर्चना की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। यह देखकर आम जनता के मन में एक ही सवाल उठता है कि क्या यह सच्ची आस्था है या केवल भेष बदल कर हिन्दू मतों की फसल काटने की तिकड़म ?समाजवादी दल की स्थापना से लेकर आज तक उसकी सियासत की बुनावट को देखें तो एक धागा बार-बार नजर आता है जब सत्ता मिली तो एक रंग, और जब विपक्ष में आए तो दूसरा रंग। मुलायम सिंह यादव ने जब दल की नींव रखी, तब उनका मूल आधार यादव और मुसलमान मतदाताओं का गठबंधन था। इसे सियासी बोलचाल में ह्वमायह्व यानी मुसलमान-यादव समीकरण कहा गया। यह समीकरण वर्षों तक उत्तर प्रदेश की सत्ता का केंद्र बिंदु रहा। इस गणित के बल पर समाजवादी दल ने कई बार सरकार बनाई, लेकिन इसके साथ ही दल पर तुष्टीकरण का आरोप भी लगता रहा। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में जब भारतीय जनता दल ने भारी बहुमत से उत्तर प्रदेश की सत्ता हासिल की, तब समाजवादी दल को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करना पड़ा। ह्वमायह्व समीकरण पर्याप्त नहीं था, यह स्पष्ट हो गया। तब इस दल ने तुरंत अपनी राह बदली। वर्ष 2022 के चुनाव से पहले अखिलेश यादव ने एक नया नारा दिया पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक यानी पीडीए। इस नए समीकरण में पिछड़ी जातियों के व्यापक वर्ग को साधने की कोशिश थी। छोटी-छोटी जातियों को मंच देकर, उन्हें टिकट देकर दल ने यह जताने की कोशिश की कि अब वह केवल यादव और मुसलमान का दल नहीं रहा।2024 के लोकसभा चुनाव में पीडीए के नारे ने कुछ असर दिखाया और समाजवादी दल की सीटें बढ़ीं। अखिलेश यादव ने इसे अपनी रणनीति की सफलता बताया। लेकिन जानकारों का मानना है कि यह सफलता भारतीय जनता दल के विरोध में उपजी लहर का परिणाम थी, न कि किसी ठोस सामाजिक बदलाव का। इसके बावजूद समाजवादी दल के नेताओं का आत्मविश्वास आसमान छूने लगा। पीडीए को जादुई मंत्र की तरह प्रचारित किया जाने लगा। अब बंगाल के नतीजों के बाद फिर एक नया मोड़ आया है। हिंदू मतदाताओं को साधने के लिए धार्मिक प्रतीकों का सहारा लिया जा रहा है। यह कोई नई बात नहीं है। मुलायम सिंह यादव भी समय-समय पर मंदिरों में जाते थे, परशुराम जयंती मनाते थे और ब्राह्मण सम्मेलनों में शरीक होते थे। लेकिन उनकी असली राजनीति का धुरा कभी नहीं बदला। यही परंपरा अखिलेश यादव आगे बढ़ा रहे हैं।

समाजवादी दल के इस दोहरे चेहरे को समझने के लिए उसके शासनकाल को याद करना जरूरी है। जब दल सत्ता में था, तब दंगों की घटनाएँ हुईं। 2013 में मुजफ्फरनगर की पीड़ा आज भी लोगों के जेहन में ताजा है। उस दौर में पुलिस और प्रशासन पर पक्षपात के आरोप लगे। हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग ने महसूस किया कि उनकी सुरक्षा दाँव पर है। इसी भावना का लाभ उठाकर भारतीय जनता दल ने 2017 में ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। आज जब अखिलेश यादव बजरंग बली की चौपाई लिख रहे हैं, तो क्या वही मतदाता इसे भूल पाएगा ?सामाजिक ताने-बाने की दृष्टि से देखें तो समाजवादी दल की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि उसके भीतर का नेतृत्व अभी भी एक ही जाति के इर्द-गिर्द घूमता है। पीडीए का नारा कितना भी ऊँचा हो, जब टिकट बँटवारे की बारी आती है तो यादव और मुसलमान उम्मीदवारों की भरमार नजर आती है। शेष पिछड़ी जातियाँ, दलित और अन्य वर्ग को प्रतीकात्मक भागीदारी मिलती है। यह विरोधाभास मतदाता भली-भाँति जानता है।इसी तरह धार्मिक प्रतीकों का उपयोग भी सतही लगता है। जो दल दशकों से एक विशेष वर्ग के तुष्टीकरण के लिए जाना जाता हो, वह अचानक हनुमान चालीसा गाने लगे तो जनता को यह स्वाभाविक नहीं लगता। मतदाता जानता है कि यह परिवर्तन हृदय से नहीं, मतपेटी से उपजा है। राजनीति में यह दाँव कभी-कभी चल जाता है, लेकिन जागरूक मतदाता के सामने यह ज्यादा देर नहीं टिकता।

उत्तर प्रदेश का मतदाता अब पहले से कहीं अधिक समझदार हो गया है। 2017 और 2022 के चुनावों ने यह सिद्ध कर दिया कि जाति और धर्म के समीकरण तो काम करते हैं, लेकिन शासन की विश्वसनीयता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। जो दल सत्ता में रहते हुए कानून-व्यवस्था नहीं संभाल पाया, जो दल जातिगत भेदभाव के आरोपों से घिरा रहा, वह दल केवल सामाजिक माध्यमों पर तस्वीरें बदलकर जनता का मन नहीं जीत सकता।2027 का विधानसभा चुनाव समाजवादी दल के लिए असली परीक्षा होगी। अखिलेश यादव की नई सामाजिक अभियांत्रिकी कितनी कारगर होगी, यह तो समय ही बताएगा। लेकिन इतना तय है कि केवल नारे बदलने से, केवल प्रतीक बदलने से राजनीति नहीं बदलती। जनता को चाहिए ठोस काम, सुरक्षा और न्याय। समाजवादी दल यदि वास्तव में बदलाव चाहता है तो उसे अपने भीतर झाँकना होगा, अपनी कार्य संस्कृति बदलनी होगी, अपने नेताओं की जवाबदेही तय करनी होगी और जाति की दीवारों से बाहर निकलना होगा। जब तक यह नहीं होता, ह्वमायह्व से पीडीए और पीडीए से बजरंगबली तक का यह सफर केवल चुनावी स्वाँग बना रहेगा। और उत्तर प्रदेश का मतदाता इस स्वाँग को पहचानना

# मदर्स डे : जब जिंदगी बिखरी, तब मां चट्टान बन गई

-सुरेश गांधी

रात जब बहुत गहरी हो जाती है, तब इंसान की सबसे सच्ची आवाज उसके भीतर सुनाई देती है। वह आवाज जो दुनिया नहीं सुन पाती... वह चीख जो होंठों तक नहीं आती... वह दर्द जो आंखों से कम और आत्मा से ज्यादा बहता है। कुछ ऐसी ही खामोश चीखों के साथ पिछले आठ वर्षों से जी रही हैं निधि मिश्रा। बाहर से देखने पर वह एक सामान्य कामकाजी महिला दिखाई देती हैं, ऑफिस जाती हैं, बच्चों की पढ़ाई की चिंता करती हैं, मुस्कुराकर लोगों से मिलती हैं, जिम्मेदारियों को संभालती हैं। लेकिन उनके भीतर एक ऐसा खालीपन है, जो हर दिन उन्हें उस जीवन की याद दिलाता है, जो कभी उनका सबसे खूबसूरत सच था। एक समय था जब उनका संसार बिल्कुल सामान्य था। वर्ष 2002 में शुरू हुआ वैवाहिक जीवन सामान्य खुशियों के साथ आगे बढ़ रहा था। परिवार में हंसी थी, बच्चों की किलकारियां थीं और सपनों से भरा एक संसार था। छोटे-छोटे सपनों से भरा एक परिवार था। जीवन में संघर्ष थे, लेकिन साथ था, भरोसा था और एक दूसरे की मौजूदगी से हर मुश्किल आसान लगती थी।

समय के साथ तीन बच्चों - संस्कृति, सुकृति और संस्कार, ने उस घर को खुशियों से भर दिया। लेकिन जिंदगी हमेशा चेतावनी देकर नहीं बदलती। दिसंबर 2017 में अचानक पता चला कि विनोद मिश्रा को माउथ कैंसर है। यह खबर परिवार के लिए किसी भूकंप से कम नहीं थी। जिस व्यक्ति ने हमेशा परिवार की ढाल बनकर जिंदगी जी, वही अचानक अस्पतालों और दवाइयों के बीच जिंदगी की लड़ाई लड़ने लगा। कानपुर के जेके कैंसर हॉस्पिटल में इलाज शुरू हुआ। उम्मीदें थीं, दुआएं थीं, विश्वास था कि सब ठीक हो जाएगा। लेकिन बीमारी हर उम्मीद से बड़ी साबित हुई। 22 फरवरी 2018 की वह तारीख निधि मिश्रा की जिंदगी में हमेशा के लिए ठहर गई। विनोद मिश्रा दुनिया छोड़ गए। उस पल के बाद सिर्फ एक पति नहीं गया था... एक स्त्री का सहारा चला गया था। तीन बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया था। और एक परिवार अचानक अधूरा हो गया था। उस समय बड़ी बेटी संस्कृति मिश्रा स्कूल में थीं, छोटी बेटी सुकृति मिश्रा अभी बचपन और समझदारी के बीच खड़ी थी और सबसे छोटा बेटा संस्कार मिश्रा दुनिया की सच्चाइयों को समझने के लिए बहुत छोटा था। घर में सन्नाटा था। रिश्तेदार थे, लोग थे, सांत्वनाएं थीं... लेकिन जो खालीपन भीतर पैदा हुआ था, उसे कोई भर नहीं सकता था। तीनों बच्चों की आंखों में सिर्फ एक सवाल था, ह्वअब क्या होगा?ह्व और शायद वहीं एक मां का दूसरा जन्म होता है।

निधि मिश्रा कहती हैं कि पति के जाने के बाद कई दिनों तक उन्हें समझ ही नहीं आता था कि अब आगे क्या करना है। हर सुबह एक डर लेकर आती थी, बच्चों का भविष्य, घर का खर्च, जिम्मेदारियां, समाज, अकेलापन... सब कुछ एक साथ सामने खड़ा था। सबसे ज्यादा तकलीफ तब हुई, जब कठिन समय में अपेक्षित पारिवारिक सहयोग भी नहीं मिला। रिश्तों की भीड़ में अक्सर इंसान सबसे ज्यादा अकेला हो जाता है। मानसिक रूप से उनकी मां उनका सहारा बनीं। मां उन्हें टूटने नहीं देती थीं। लेकिन नियति शायद अभी और परीक्षा लेना चाहती थी। 8 अक्टूबर 2022 को उनकी मां का भी कैंसर से निधन हो गया। यह दूसरा ऐसा आघात था, जिसने भीतर की आखिरी मजबूती भी हिला दी। जिस मां के कंधे पर सिर रखकर वह रो लेती थीं, वह सहारा भी चला गया। लेकिन शायद मां की सबसे बड़ी ताकत यही होती है कि वह अपने बच्चों के सामने पूरी तरह टूट नहीं सकती। निधि मिश्रा बताती हैं कि कई रातें ऐसी थीं जब बच्चों की फीस, घर के खर्च और भविष्य की चिंता उन्हें सोने नहीं देती थी। लेकिन हर सुबह बच्चों का चेहरा देखकर वह खुद को फिर से मजबूत कर लेती थीं। भीतर से टूटती रहीं, लेकिन बच्चों के सामने कभी बिखरने नहीं दिया। अपने आंसुओं को बच्चों की कमजोरी नहीं बनने दिया। उन्होंने तय किया कि चाहे जिंदगी कितनी भी कठिन क्यों न हो जाए, बच्चों के सपने नहीं टूटने देंगी।

**पति की मौत के बाद अक्सर जिंदगी सिर्फ यादों में बदल जाती है। लेकिन निधि मिश्रा ने अपने आंसुओं को बच्चों की ताकत बना दिया। वर्ष 2018 में माउथ कैंसर से पति विनोद मिश्रा को खोने के बाद उनके सामने तीन छोटे बच्चों की जिम्मेदारी थी, आर्थिक संकट था और भविष्य का गहरा अंधेरा। उस समय बड़ी बेटी संस्कृति स्कूल में थीं, छोटी बेटी सुकृति मासूम उम्र में थी और बेटा संस्कार दुनिया को समझने के लिए बहुत छोटा। पति के निधन के कुछ ही समय बाद निधि काशी आईं। अनजान शहर, नई जिम्मेदारियां और भीतर गहरा खालीपन, सब कुछ एक साथ था। लेकिन बाबा विश्वनाथ की नगरी ने उन्हें टूटने नहीं दिया। हिंदुस्तान परिवार से मिली नौकरी और स्कूल में पढ़ाने के काम ने उन्हें सहारा दिया। संघर्ष के बीच उन्होंने बच्चों के सपनों को कभी टूटने नहीं दिया। आज बड़ी बेटी संस्कृति एमबीए कर रही हैं, छोटी बेटी सुकृति बी-फार्मा की पढ़ाई में जुटी हैं और बेटा संस्कार 12वीं का छात्र है।**

7 मई 2018 को वह काशी आईं। एक ऐसा शहर, जिसे उन्होंने पहले कभी अपने जीवन का हिस्सा नहीं सोचा था। बनारस उस समय उनके लिए सिर्फ एक शहर था, अनजान गलियों वाला, भीड़भाड़ वाला, मंदिरों की घंटियों और घाटों की आवाजों से भरा हुआ शहर। लेकिन उन्हें क्या पता था कि यही शहर आगे चलकर उनके टूटे हुए जीवन को संभालने वाला है। काशी की सुबहें धीरे-धीरे उनके भीतर उतरने लगीं। घाटों पर बहती गंगा, मंदिरों की आरती, बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद और बनारस की आत्मीयता ने उन्हें भीतर से सहारा देना शुरू किया। उन्होंने नौकरी शुरू की। हिंदुस्तान परिवार ने मुश्किल समय में उनका साथ दिया। उनके पति विनोद मिश्रा गाजीपुर में हिंदुस्तान के ब्यूरो चीफ रहे थे। संस्थान ने निधि को अवसर दिया। यह सिर्फ रोजगार नहीं था, बल्कि जिंदगी को फिर से संभालने का पहला सहारा था। इसके साथ ही उन्होंने स्कूल में पढ़ाना भी शुरू किया। सुबह घर, फिर नौकरी, बच्चों की पढ़ाई, बाजार, फीस, जिम्मेदारियां, रात की चिंता और अगले दिन की तैयारी... जिंदगी एक निरंतर संघर्ष बन चुकी थी। लेकिन इस संघर्ष की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि इसमें शोर नहीं था। वह चुपचाप लड़ रही थीं। शायद इसी मौन संघर्ष ने एक दिन शब्दों का रूप लिया। संघर्ष इतना शांत था कि दुनिया को सिर्फ उनकी मुस्कान दिखाई दी, भीतर की थकान नहीं। कुछ समय पहले उन्होंने अपने मन की पीड़ा को एक कविता में लिखा और फेसबुक पर पोस्ट कर दिया। कविता की शुरूआत थी, ह्वएक दर्द भरी चीख, सबको सुनाई देती है। लेकिन जो चीख बेआवाज होती है, वही सबसे ज्यादा जला देती है...ह्व यह सिर्फ कविता नहीं थी। यह आठ वर्षों से भीतर दबे दर्द का विस्फोट था। उन्होंने लिखा कि बच्चों के बीच बैठकर जब वह हंसती हैं, तब भी उन्हें लगता है कि उस हंसी की परछाई में पति की कमी खड़ी है। बच्चों की बातों में वह उनकी आवाज ढूंढती हैं। रात के सन्नाटे में आज भी कई बार ऐसा लगता है कि दरवाजा खुलेगा और वह सामने खड़े होंगे। लेकिन फिर वही सन्नाटा लौट आता है। उनकी कविता सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। हजारों लोगों ने उसे पढ़ा, साझा किया और महसूस किया। क्योंकि वह सिर्फ निधि मिश्रा की कहानी नहीं थी। वह उन लाखों महिलाओं की कहानी थी, जो अपने हिस्से का दुःख चुपचाप जीती हैं।

## होटल मैनेजर के बेटे को दसवी में मिला 85 प्रतिशत अंक

**मुंबई (उत्तरशक्ति).** दसवी का परीक्षा परिणाम आ गया है. कहीं खुशी देखने को मिल रहा है तो कहीं गम. पूर्वी उपनगर के चेंबूर में लोकमान्य तिलक हाई स्कूल का रिजल्ट 100 प्रतिशत आया जो चर्चा का विषय बना हुआ है तो वहीं चेंबूर के होटल सदगुरु में बतौर मैनेजर काम करने वाले धनंजय उर्फ मंजू गौड़ा के बेटे विष्णु गौड़ा को 85 प्रतिशत अंक मिले हैं. कर्नाटक हाई स्कूल में पढ़ने वाले विष्णु गौड़ा कॉमर्स लेकर आगे एमबीए या बैंकिंग क्षेत्र में जाना चाहते हैं। विष्णु के पिता धनंजय उर्फ मंजू गौड़ा ने काफी गरीबी के बीच अपने बच्चों को पढ़ाया है। अपने बच्चों को किसी बडे कोचिंग क्लासेस में नहीं पढ़ा पाने का गम उन्हे हमेशा सताते रहता था लेकिन बेटे विष्णु ने एसएससी परीक्षा में अच्छे अंक हासिल कर उनका गम हल्का कर दिया है। वहीं बेटे विष्णु की सफलता पर उसके पिता धनंजय उर्फ मंजू गौड़ा को बड़ी संख्या में लोगों ने बधाई दी है।

## उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की बारामती में हुई ऐतिहासिक जीत पर राकांपा मुम्बई के कार्याध्यक्ष सिद्धार्थ टी कांबले और प्रदेश महासचिव संजय तटकरे ने दी बधाई

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की आकस्मिक मृत्यु के बाद हुए बारामती विधानसभा उपचुनाव में उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की है। उन्होंने 2 लाख 18 हजार 930 वोटों के अंतर से जीत दर्ज कर राष्ट्रीय स्तर पर नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार द्वारा 2019 में बनाए गए 1 लाख 65 हजार 265 वोटों के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। जिसके कारण महाराष्ट्र राज्य की उपमुख्यमंत्री तथा राष्ट्रीय अध्यक्षा सुनेत्रा अजीत पवार की इस ऐतिहासिक जीत पर राकांपा मुंबई के कार्याध्यक्ष सिद्धार्थ टी कांबले, प्रदेश महासचिव संजय तटकरे और राकांपा चांदीवली विधानसभा के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह ने गुलदस्ता देकर अभिनंदन किया है। साथ ही इन नेताओं ने उनकी ऐतिहासिक जीत पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके आगामी भविष्य की शुभकामनाएं दी है।

## बदलापुर में चोरों का आतंक, विकी वाइन शॉप में घुसकर नकदी और मोबाइल चोरी

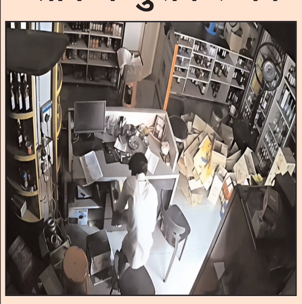

**बदलापुर (उत्तरशक्ति)।** शहर में चोरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला बदलापुर के एक प्रसिद्ध वाइन शॉप विकी वाइन का सामने आया है, जहां अज्ञात चोरों ने दुकान में घुसकर नकदी और मोबाइल फोन चोरी कर लिया। जानकारी के अनुसार, 5 तारीख की देर रात चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने गल्ले में रखी नकदी पर हाथ साफ किया और दुकान में मौजूद मोबाइल फोन भी चोरी कर लिया। पूरी घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सुबह जब दुकान मालिक दुकान खोलने पहुंचे, तो शटर टूटा हुआ देखकर उन्हें चोरी की जानकारी मिली। अंदर जाकर देखने पर गल्ले से नकदी गायब थी और मोबाइल भी नहीं मिला। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। स्थानीय व्यापारियों में इस घटना के बाद डर और नाराजगी का माहौल है। व्यापारियों का कहना है कि क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन पुलिस गश्त पर्याप्त नहीं होने से चोरों के हौसले बुलंद हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

## भिवंडी में स्थायी समिति के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में, पांच में से तीन प्रभाग समिति सभापति निर्विरोध

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** भिवंडी मनपा की 14 मई को होने वाली स्थायी समिति सभापति चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट), शिवसेना शिंदे गुट और भाजपा की ओर से तीन महिला उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है, जिससे मुकाबला रोचक हो गया है। वहीं पांच प्रभाग समितियों में से तीन समितियों के सभापति निर्विरोध चुने जाने का रास्ता साफ हो गया है।

स्थायी समिति सभापति पद के लिए खान ईशा इमरान (राष्ट्रवादी कांग्रेस श.प.), अस्मिता प्रभुदास नाईक (शिवसेना शिंदे गुट) तथा गीता विठोबा नाईक (भाजपा) ने अपना नामांकन दाखिल किया है। स्थायी समिति में कांग्रेस के 5, भाजपा के 4, राष्ट्रवादी कांग्रेस (श.प.) के 2, शिवसेना शिंदे गुट के 2 तथा समाजवादी पार्टी, कोणार्क विकास आघाड़ी और भिवंडी विकास आघाड़ी के प्रत्येकी 1 सदस्य हैं। ऐसे में किस उम्मीदवार को किस दल का समर्थन मिलेगा, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। दूसरी ओर प्रभाग समिति क्रमांक 1 में फारुकी हसनैन इम्तियाज (राष्ट्रवादी कांग्रेस श.प.), प्रभाग समिति क्रमांक 2 में तबस्सुम जाकिर बेग (कांग्रेस) तथा प्रभाग समिति क्रमांक 4 में अंसारी समीना मोहम्मद इमरान (कांग्रेस) के खिलाफ कोई अन्य नामांकन नहीं आने से इनका निर्विरोध चुना जाना तय माना जा रहा है। वहीं प्रभाग समिति क्रमांक 3 में भाजपा की रंजिता मोहन कोंडा और शिवसेना शिंदे गुट के संजय गणपत भोईर के बीच सीधी टक्कर होने की संभावना है। जबकि प्रभाग समिति क्रमांक 5 में भाजपा के वैभव एकनाथ भोईर, भिवंडी विकास आघाड़ी की रोमा निलेश आळशी और राष्ट्रवादी कांग्रेस (श.प.) के अंसारी अनम तारीक के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है।

# वसई-विरार में प्रॉफिट टैक्स को लेकर विवाद, भाजपा ने दी आंदोलन की चेतावनी

**वसई रोड (उत्तरशक्ति)।** भारतीय जनता पार्टी के नेता विपक्ष मनोज पाटिल ने वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन पर प्रॉफिट टैक्स के माध्यम से नागरिकों पर अतिरिक्त टैक्स का बोझ डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने प्रशासन से यह निर्णय तुरंत वापस लेने की मांग की है, अन्यथा लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने की चेतावनी दी है। नगर निगम ने 9 मार्च 2026 को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 4,200 करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। शुरुआती प्रस्ताव में प्रॉपर्टी टैक्स में 15 प्रतिशत और वॉटर टैक्स में दोगुनी वृद्धि की बात कही गई थी। बाद में स्टैंडिंग कमेटी के समक्ष यह घोषणा की गई कि प्रस्तावित बढ़ोतरी वापस ले ली गई है। हालांकि, भाजपा का आरोप है कि प्रशासन ने 16 जनवरी 2025 के प्रशासनिक प्रस्ताव क्रमांक 1997 के तहत वॉटर सप्लाई प्रॉफिट टैक्स और सीवरेज फैसिलिटी प्रॉफिट टैक्स लागू कर नागरिकों पर 20 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त टैक्स का भार डाल दिया है।

नगर निगम प्रशासन का कहना है कि वह एमएमआरडीए और एमजीपी से 13.80 रुपये प्रति लीटर की दर से पानी खरीदता है, जबकि नागरिकों को मात्र 8 रुपये में उपलब्ध कराया जाता है। प्रशासन के अनुसार इस वित्तीय अंतर को भरने और 2026 तक प्रस्तावित डैम परियोजना पूरी करने के

लिए पानी के शुल्क में वृद्धि आवश्यक है। वहीं, मनोज पाटिल ने प्रशासन के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि शहर के कई हिस्सों में आज भी नियमित और पर्याप्त पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीवेज और अंडरग्राउंड सीवरेज परियोजनाओं की स्थिति खराब होने के बावजूद नागरिकों से सीवेज फैसिलिटी बेनिफिट टैक्स वसूला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के दौर में नागरिकों पर अतिरिक्त टैक्स थोपना अन्यायपूर्ण है। प्रशासन को पहले बेहतर पानी और सीवेज सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए, उसके बाद ही टैक्स वृद्धि पर विचार करना चाहिए। भाजपा ने स्पष्ट किया है कि यदि प्रशासन ने जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय वापस नहीं लिया, तो पार्टी व्यापक जनआंदोलन करेगी। इस मुद्दे के सामने आने के बाद वसई-विरार के नागरिकों का ध्यान अब नगर निगम प्रशासन के अगले कदम पर टिका हुआ है।

## पालघर में किसानों की शिकायतों का हो रहा त्वरित समाधान, खावडा ट्रांसमिशन हेल्पलाइन बनी किसानों का सहारा

**पालघर (उत्तरशक्ति)।** पालघर जिले के किसानों और स्थानीय ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं का खावडा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड की शिकायत निवारण हेल्पलाइन के माध्यम से त्वरित समाधान किया जा रहा है। परियोजना से जुड़ी मुआवजा प्रक्रिया, जमीन के दस्तावेज, फसल नुकसान और पेड़ों के मूल्यांकन जैसे मामलों में यह हेल्पलाइन किसानों के लिए प्रभावी माध्यम साबित हो रही है।

पालघर जिले के जव्हार, विक्रमगढ़ और वाडा तहसील के किसान प्रतिदिन इस हेल्पलाइन के जरिए कंपनी से सीधे संपर्क कर रहे हैं। मुआवजे में देरी, जमीन माप संबंधी समस्याएं तथा आवश्यक दस्तावेजों के मार्गदर्शन जैसी शिकायतों का तेजी से निपटारा किया जा रहा है, ऐसा कंपनी की ओर से गया है। कंपनी के अनुसार, स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि, सरपंच और ग्रामसेवकों ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा और कृषि विकास कार्यशालाओं की मांग भी रखी है। नियमित संवाद और समन्वय के माध्यम से कई समस्याओं का समाधान किया गया है। रेसोनिया लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष निनाद पितले ने कहा कि यह हेल्पलाइन परियोजना को अधिक पारदर्शी और जनहितकारी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, जव्हार तहसील के डेंगाचीमेट गांव के राजेश पाचकुडा और विक्रमगढ़ तहसील के आलोंडे गांव के गणपत गावळी ने बताया कि मुआवजे और दस्तावेजों से जुड़ी उनकी समस्याओं का बहुत कम समय में समाधान किया गया।

## कल्याण में 9 वर्षीय बच्ची से यौन उत्पीड़न के मामले में कराटे कोच गिरफ्तार

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** कल्याण शहर में 9 वर्षीय बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न करने के आरोप में महात्मा फुले पुलिस ने कराटे कोच गिरीश वाघमारे (47) को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी गिरीश वाघमारे पेशे से कराटे कोच है। घटना 5 मई को उस समय हुई, जब वह घर पर अकेला था। उसने पीड़ित 9 वर्षीय बच्ची को चेस्ट गार्ड दिखाने के बहाने अपने घर बुलाया। आरोप है कि उसने बच्ची के पीछे से चेस्ट गार्ड लगाने के दौरान उसके साथ अशोभनीय हरकत करते हुए यौन उत्पीड़न किया। घटना के बाद बच्ची घर पहुंची और उसने पूरी बात अपने परिजनों को बताई। इसके बाद बच्ची की मां ने तुरंत महात्मा फुले पुलिस थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और 7 मई को उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल महात्मा फुले पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

# विधायक कुमार आयलानी के प्रयासों को मिली सफलता

## म्हारळ से जावसई, अंबरनाथ तक सड़क निर्माण हेतु 200 करोड़ रुपये मंजूर

**उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)।** उल्हासनगर शहर से सटे म्हारळ, वरप और कांबा क्षेत्र पहले ग्रामीण स्वरूप के थे, लेकिन वर्तमान में इन क्षेत्रों में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। यहां बड़ी संख्या में बहुमंजिला इमारतें, गृह परियोजनाएं और नई आवासीय बस्तियां विकसित हो रही हैं। इन क्षेत्रों के नागरिकों का अंबरनाथ और बदलापुर शहरों से शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार तथा पारिवारिक कारणों से घनिष्ठ संबंध होने के कारण दैनिक आवागमन में लगातार वृद्धि हो रही है।

वर्तमान में म्हारळझ्रवरपझ्रकांबा क्षेत्र से अंबरनाथ और बदलापुर जाने के लिए नागरिकों को उल्हासनगर होकर लंबा चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे भारी यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके कारण लोगों का 2 से 4 घंटे तक का समय यात्रा में व्यर्थ हो जाता है। यह स्थिति नागरिकों के

लिए अत्यंत असुविधाजनक और कष्टदायक साबित हो रही है।

इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए म्हारळपाडा स्थित मयुरेश्वर बीयर शॉप परिसर से जावसई गांव, अंबरनाथ (पश्चिम) तक प्रस्तावित 24 मीटर चौड़े विकास आराखड़ा (डी.पी.) सड़क निर्माण के लिए राज्य सरकार द्वारा 200 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

आमदार कुमार आयलानी जी द्वारा मा मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अजितदादा पवार, एवं सार्वजनिक बांधकाम मंत्री शिवेंद्र राजे भोसले जी से पिछले दो साल से मांग कर रहे थे उस मांग को लेकर राज्य सरकार द्वारा इस रस्तो को निधी मंजुरी दि गयी हे इस सड़क के निर्माण से म्हारळ, वरप और कांबा क्षेत्र के नागरिकों को अंबरनाथ और बदलापुर तक सीधा, सुरक्षित और सुगम संपर्क मार्ग उपलब्ध होगा।

इससे यात्रा का समय काफी कम होगा, यातायात जाम में राहत मिलेगी तथा पूरे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को गति प्राप्त होगी।

सड़क निर्माण पूर्ण होने के बाद म्हारळ, वरप और कांबा क्षेत्र के नागरिकों को मुरबाड, टिटवाला, गोवेली, अंबरनाथ मार्ग होते हुए बदलापुर तथा नवी मुंबई तक आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और समय की भी बचत होगी।

## सेंट मेरी हाईस्कूल का SSC बोर्ड परीक्षा में 100% परिणाम

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** कल्याण स्थित सेंट मेरी हाईस्कूल ने एसएससी बोर्ड परीक्षा 2025-26 में एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया है। विद्यालय ने अपनी गौरवशाली परंपरा को कायम रखते हुए उत्कृष्ट सफलता हासिल की है।

इस वर्ष स्कूल के कुल 182 विद्यार्थियों ने एसएससी बोर्ड परीक्षा दी, जिनमें से सभी छात्र सफल रहे। इनमें 37 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 138 विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत और उससे अधिक अंक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की टॉपर्स में मिस तनिष्का गणेश दनवले ने 98.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं मास्टर कार्तिक विनोद वासे ने 97.20 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि मिस उर्वशी विजयकुमार दुबे ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। इस शानदार सफलता पर सेंट मेरी हाईस्कूल की प्राचार्या प्रेरणा सिंह ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें अपने विद्यार्थियों और शिक्षकों पर गर्व है। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, समर्पण और निरंतर प्रयास का परिणाम है। प्राचार्या ने आगे कहा कि अभिभावकों का सहयोग और शिक्षकों की निष्ठा भी इस उपलब्धि के पीछे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा जताई कि वे आगे भी विद्यालय और समाज का नाम रोशन करते रहेंगे।

# अंबरनाथ नगरपालिका में गुट नेता का फैसला शिवसेना के पक्ष में, नगरसेवकों ने मनाया जश्न

## सांसद श्रीकांत शिंदे रहे उपस्थित

**अंबरनाथ (उत्तरशक्ति)।** अंबरनाथ नगर पालिका में गुट संबंधी निर्णय शिवसेना के पक्ष में आने के बाद शिवसेना नगरसेवकों और पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। फैसले के बाद शिवसेना कार्यकताओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर एकत्र होकर जोरदार जश्न मनाया।

कार्यकताओं ने ढोल-ताशों के साथ खुशी जाहिर की, मिठाइयां बांटीं और शिवसेना के समर्थन में नारे लगाए। इस दौरान बड़ी संख्या में शिवसैनिक उपस्थित रहे और फैसले को संगठन की जीत बताया। शिवसेना गटनेते Ravi Karanjule ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, सत्यमेव जयते ही हमारी प्रतिक्रिया है। सत्य की जीत हुई है और शिवसेना की विचारधारा को न्याय मिला है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक जीत नहीं, बल्कि कार्यकताओं के विश्वास और संघर्ष की जीत है।

वहीं उपनगराध्यक्ष Sadashiv Patil ने कहा कि अब सभी को साथ लेकर विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य केवल राजनीति नहीं, बल्कि शहर का विकास और नागरिकों की समस्याओं का समाधान है। अब हम सभी को साथ लेकर काम करेंगे।

फैसले के बाद नगर पालिका के राजनीतिक समीकरणों में भी बदलाव की चर्चा तेज हो गई है। शिवसेना नेताओं ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में संगठन और अधिक मजबूत होकर जनता की सेवा करेगा।

# विरार पश्चिम में नारंगी रेलवे ओवर ब्रिज का उद्घाटन, पालकमंत्री गणेश नाइक रहे मुख्य अतिथि

**वसई रोड (उत्तरशक्ति)।** गणेश नाइक ने विरार पश्चिम स्थित नारंगी रेलवे ओवर ब्रिज का उद्घाटन किया। यह ओवर ब्रिज विरार के पूर्व और पश्चिम क्षेत्र के नागरिकों के आवागमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। लंबे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा इस ब्रिज की मांग की जा रही थी, जिसके पूरा होने से स्थानीय लोगों में संतोष का माहौल है।

नारंगी रेलवे ओवर ब्रिज के शुरू होने से क्षेत्र में यातायात का दबाव कम होने की उम्मीद है। साथ ही नागरिकों को सुरक्षित, तेज और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।

कार्यक्रम में डॉ. हेमंत विष्णु सावरा, स्नेहा दुबे पंडित, राजन नाइक, राजेंद्र गावित सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इसके अलावा वसई-विरार शहर महानगरपालिका के महापौर अजीव पाटिल, पालघर जिला कलेक्टर इंदुरानी जाखड़, मनपा आयुक्त पृथ्वीराज बी.पी., मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानाडे, भाजपा वसई-विरार शहर जिला अध्यक्ष एवं नगरसेविका प्रज्ञा पाटिल, विपक्ष के नेता मनोज पाटिल, पूर्व महापौर नारायण मानकर, विशाल राउत तथा अन्य नगरसेवक और अधिकारी भी समारोह में शामिल हुए।

# 99.53% रिजल्ट के साथ रईस हाई स्कूल का शानदार प्रदर्शन

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** एसएससी बोर्ड द्वारा शुक्रवार 8 मई 2026 को घोषित किए गए परीक्षा परिणामों में भिवंडी के प्रसिद्ध शिक्षण संस्थान रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज ने शानदार सफलता हासिल करते हुए 99.53 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया है। मार्च 2026 में आयोजित एसएससी परीक्षा में विद्यालय के कुल 212 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से 211 विद्यार्थी सफल रहे। विद्यालय के परीक्षा परिणाम में 27 विद्यार्थियों ने विशेष योग्यता (डिस्टिंक्शन) श्रेणी, 53 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी, 90 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी तथा 41 विद्यार्थियों ने उत्तीर्ण श्रेणी प्राप्त की। विद्यालय में अंसारी जोऐफ अली (दसवीं अ) ने 90.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। अंसारी मोहम्मद अरसलान ने 90 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय तथा अंसारी मोहम्मद आसिम ने 88.80 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। मोमिन मोहम्मद ताहा (दसवीं ब) और अंसारी मोहम्मद अरमान (दसवीं स) ने 86 प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। अंसारी मोहम्मद हमजा ने 85.60 प्रतिशत अंकों के साथ पाँचवाँ, मोमिन अब्दुल्लाह ने 84.60 प्रतिशत अंकों के साथ छठा, मोमिन मोहम्मद मुस्तकीम ने 84.20 प्रतिशत अंकों के साथ सातवाँ, मोमिन रूशान ने 83.80 प्रतिशत अंकों के साथ आठवाँ, शेख मोहम्मद ताहा ने 83.60 प्रतिशत अंकों के साथ नौवाँ तथा अंसारी मोहम्मद आरिज ने 82.80 प्रतिशत अंकों के साथ दसवाँ स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्था का नाम रोशन किया है। इस शानदार सफलता पर के.एम.ई. सोसायटी के पदाधिकारियों, चेयरमैन यासर तातली, प्रधानाचार्य ज़ियाउर्रहमान अंसारी तथा समस्त शिक्षकों और कर्मचारियों ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

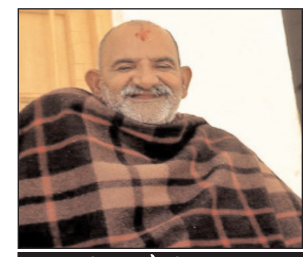

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# ईरान-भारत रिश्तों की मिसाल बना जौनपुर

**शिया कॉलेज में दिखा गंगा-जमुनी संगम**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर स्थित शिया कॉलेज जौनपुर में आयोजित मजलिस इस बार केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रही, बल्कि सामाजिक एकता, इंसानियत और भारत-ईरान संबंधों की मजबूत मिसाल बन गई। गुरुवार की रात आयोजित इस विशेष मजलिस में ईरान के सुप्रीम लीडर अ' डॅल्ली के प्रतिनिधि आयतुल्लाह डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने शिरकत कर अपने संबोधन से कार्यक्रम को खास बना दिया।

अपने संबोधन में आयतुल्लाह डॉ. हकीम इलाही ने कहा कि जौनपुर की सरजमीन पर आकर उन्हें एक अलग ही अपनापन महसूस हुआ। उन्होंने यहां की तहजीब, इल्म की परंपरा और गंगा-जमुनी संस्कृति की सराहना करते हुए कहा कि यह शहर पूरी दुनिया के लिए भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की मिसाल है।

उन्होंने भारत और ईरान के ऐतिहासिक रिश्तों का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, शैक्षिक और सामाजिक संबंध सदियों पुराने और बेहद मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग मजहब और संघर्ष से जुड़े होने के बावजूद इंसानियत सबसे ऊपर है और यही संदेश दुनिया तक पहुंचाने की जरूरत है।

आयतुल्लाह डॉ. हकीम इलाही ने कहा कि जब-जब मुश्किल वक्त आया, तब-तब भारत और ईरान की अवाम ने एक-दूसरे के प्रति हमदर्दी और समर्थन का परिचय दिया है। उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों को मोहब्बत, साझा विरासत और आपसी सम्मान पर आधारित बताया। मजलिस में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी रही और पूरे आयोजन के दौरान भाईचारे, अमन और एकता का संदेश देखने को मिला।

# आजम खान और अब्दुल्लाह आजम को न्याय मिलना भारतीय लोकतंत्र की परीक्षा: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने भारत को महामहिम राष्ट्रपति को एक मार्मिक संवैधानिक पत्र भेजकर वरिष्ठ समाजवादी नेता मोहम्मद आजम खान तथा अब्दुल्लाह आजम खान की रिहाई, निष्पक्ष न्याय और संवैधानिक संरक्षण की मांग की है।

अपने बयान में मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं, बल्कि न्याय, संवैधानिक मर्यादा और राजनीतिक निष्पक्षता से मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि आजम खान उत्तर प्रदेश की राजनीति का एक ऐतिहासिक नाम हैं, जिन्हें दस बार विधायक चुने जाने का गौरव प्राप्त है। वे दो बार सांसद, चार बार मंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर रह चुके हैं। उनका लगभग पाँच दशकों का सार्वजनिक जीवन लोकतांत्रिक संघर्ष, सामाजिक न्याय, धार्मिक सौहार्द और सर्वधर्म समभाव का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 तक आजम खान के विरुद्ध कोई गंभीर आपराधिक इतिहास नहीं था, लेकिन लोकसभा चुनाव जीतने के बाद उनके तथा उनके परिवार पर बड़ी संख्या में मुकदमे दर्ज किए गए, जिसने लोकतंत्र की निष्पक्षता और न्यायिक प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि यह मामला अब केवल दो व्यक्तियों की स्वतंत्रता तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र, संविधान और न्यायिक व्यवस्था की आत्मा से जुड़ा विषय बन चुका है। उन्होंने कहा कि यदि राजनीतिक मतभेदों के कारण प्रताड़ना का माहौल बनेगा, तो यह संविधान की मूल भावना के लिए चिंताजनक संकेत होगा। उन्होंने भारत सरकार और संवैधानिक संस्थाओं से अपील करते हुए कहा कि न्याय में विलंब लोकतंत्र को कमजोर करता है और निष्पक्ष हस्तक्षेप समय की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इतिहास हर संवैधानिक निर्णय को दर्ज करता है और न्याय के पक्ष में उठाया गया प्रत्येक कदम लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करता है।

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि आगामी 17 मई 2026 को प्रातः 10 बजे लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण धरना आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर से लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक न्याय में विश्वास रखने वाले लोग शामिल होंगे। धरना प्रदर्शन के बाद एक दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल महामहिम राष्ट्रपति से भेंट कर पूरे प्रकरण से अवगत कराने का प्रयास करेगा। मोहम्मद अरशद खान ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया कि लोकतंत्र और न्याय की रक्षा के लिए प्रतिनिधिमंडल को मिलने का समय प्रदान किया जाए तथा मामले में संवैधानिक हस्तक्षेप कर न्याय सुनिश्चित किया जाए।

# 700 करोड़ की जमीन कब्जामुक्त, कैंट स्टेशन पर भी चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

**वाराणसी में गरजा बुलडोजर**

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में गुरुवार को अतिक्रमण के खिलाफ बड़ा बुलडोजर अभियान चलाया गया, जिससे कई इलाकों में हड़कंप मच गया। नगर निगम की टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में चितईपुर, कैंट और वरुणा पार क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जों को हटाना शुरू किया।

नगर निगम के मुताबिक अब तक 550 बीघे सरकारी जमीन को कब्जामुक्त कराया जा चुका है, जबकि हाल ही में हुए सर्वे में 1400 बीघे से ज्यादा सरकारी जमीनें चिन्हित की गई थी। फिलहाल उन जमीनों से कब्जा हटाया जा रहा है, जहां किसी तरह का विवाद नहीं है। टीन शेड लगाकर कब्जा करने वालों पर भी कार्रवाई की जा रही है।

**कब्जा हटाकर नगर निगम करेगा विकास:** नगर निगम कब्जा हटने के बाद जमीन को तारबंदी कर अपने बोर्ड लगाएगा ताकि दोबारा कब्जा न हो सके। इन जमीनों पर भविष्य में कम्युनिटी सेंटर, बारातघर, पार्क और अन्य विकास परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। अधिकारियों के अनुसार कब्जामुक्त कराई जा रही जमीनों की अनुमानित कीमत करीब 700 करोड़ रुपये है।

**79 गांवों में मिला बड़ा कब्जा:** नगर निगम के सर्वे में 79 गांवों में 1300 बीघे से अधिक सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा मिला है। सहायक नगर आयुक्त अनिल यादव ने बताया कि नगर निगम लगातार अभियान चलाकर सरकारी जमीन को मुक्त करा रहा है ताकि विकास कार्यों को गति दी जा सके।

**कैंट स्टेशन पर भी चला एक्शन:** वहीं दूसरी ओर वाराणसी कैंट स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार के बाहर भी रेलवे, आरपीएफ, स्वास्थ्य और यातायात विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध ठेलों और अतिक्रमण को हटाया। स्टेशन निदेशक अर्पित गुप्ता और सीईओ कैंटोनमेंट सत्यम मोहन की रणनीति के तहत यह अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि अवैध ठेलों की वजह से स्टेशन मार्ग बाधित हो रहा था और गंदगी फैलने से यात्रियों को परेशानी हो रही थी। लगातार चल रही इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप है, जबकि प्रशासन इसे जनहित और शहर के विकास के लिए जरूरी कदम बता रहा है।

# पश्चिम बंगाल में जीत की मन्नत पूरी होने पर कृपाशंकर सिंह पहुंचे काशी विश्वनाथ मंदिर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। पश्चिम बंगाल चुनाव में सक्रिय प्रचार अभियान चलाने वाले महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह शुक्रवार को विश्व प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा विश्वनाथ का विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। बताया गया कि कृपाशंकर सिंह ने पश्चिम बंगाल चुनाव में जीत के बाद बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने की मन्नत मांगी थी। चुनाव परिणाम आने के बाद उन्होंने काशी पहुंचकर अपनी मन्नत पूरी की और विशेष पूजा-अर्चना की। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें बाबा विश्वनाथ पर पूरा भरोसा था कि वे उन्हें निराश नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में आखिरकार 'सनातन विरोधी तानाशाही सरकार' का अंत हो गया है। उन्होंने बाबा विश्वनाथ से देश में सुख-शांति, समृद्धि और राष्ट्र की उन्नति की कामना भी की। दर्शन-पूजन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और समर्थकों की भीड़ देखने को मिली।

# दो सड़क हादसे में छात्रा समेत दो की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के गोधना बाईपास पर शुक्रवार दिन के एक बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से साइकिल सवार छात्रा की मौत हो गई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इसी थाना क्षेत्र के ग्राम भुवालापटटी गांव निवासी हरिनाथ पटेल की 18 वर्ष की पुत्री ज्योति पटेल सामान लेने के लिए अपनी बाइक से बाजार गई हुई थी। जब यह किशोरी गोधना हाईवे को पार कर रही थी कि उसी समय एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार जिससे इसकी साइकिल क्षतिग्रस्त हो गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही घर के लोग मौके पर पहुंच गए और घायल किशोरी को लगभग 2 बजे दिन में जिला अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इसी तरह जिले के सुजानगंज थाना क्षेत्र के रायपुर कला गांव में गुरुवार शाम लगभग 7:00 बजे कार की चपेट में आने से अधेड़ की मौत हो गई। उक्त गांव निवासी शेषमणि प्रजापति उम्र लगभग 48 वर्ष पुत्र भोनू राम प्रजापति अपने घर के पास सड़क के किनारे खड़े थे इस समय तेज गति से आ रही बिलोनो कर आई और इन्हें जोरदार टक्कर मार दिया। कार से धक्का लगने से यह हवा में उड़कर कुछ दूर जा गिरे थे। उसी समय घर के लोग दौड़कर उन्हें लेकर कई चिकित्सकों के यहां गए लेकिन चिकित्सकों ने कुछ देर बाद उनके मौत होने की पुष्टि कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई और लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

# क्लीनिक का शटर तोड़ सामान व नकदी पर चोरों ने किया हाथ साफ

**सरिता यादव**

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के सरायवीरू ग्राम निवासी शशि सौरभ तिवारी परिवार के भरण-पोषण के लिए अकबरपुर-सेनापुर मार्ग स्थित पूरनपुर गांव के पास एक निजी क्लीनिक संचालित करते हैं। बीती रात हौसलाबुलंद चोरों ने उनकी क्लीनिक को निशाना बनाते हुए शटर तोड़कर अंदर रखा जरूरी सामान व नकदी चोरी कर ली। घटना की जानकारी सुबह होने पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि रोज की तरह शशि सौरभ तिवारी बुद्धवार की देर रात क्लीनिक बंद कर घर चले गए थे। देर रात अज्ञात चोर क्लीनिक के बाहर पहुंचे और शटर तोड़कर अंदर घुस गए। चोरों ने क्लीनिक में रखा एक इनवर्टर, एक बैटरी, दो कुर्सियां, एक गोल कुर्सी, कुछ दवाइयां तथा काउंटर में रखा लगभग 700 रुपये नकद उठा ले गए।

बृहस्पतिवार की सुबह जब भुक्तभोगी क्लीनिक खोलने पहुंचे तो शटर टूटा देख उनके होश उड़ गए। अंदर का सामान बिखरा पड़ा था और जरूरी उपकरण गायब मिले। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। देखते ही देखते चोरी की घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई। भुक्तभोगी ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी।

# खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों से पद्म पुरस्कारों हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी चन्दन सिंह ने अवगत कराया है कि भारत सरकार द्वारा आगामी गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2027 को खेल से संबंधित क्षेत्र में ख्याति प्राप्त महानुभावों जिन्होंने देश का प्रतिनिधित्व ओलम्पिक, विश्व चैम्पियनशिप, अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगितायें, राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में उपलब्धियां अर्जित की हों तथा खेल के क्षेत्र में विशेष योगदान दिया हों, पद्म पुरस्कारों '(पद्म विभूषण/पद्म भूषण/पद्मश्री)' के लिए आवेदन आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक महानुभाव अपने व्यक्तित्व एवं कृतिव्य के सम्बन्ध में साईटेशन निर्धारित प्रारूप पर अपना आवेदन '25 मई, 2026' तक जिला खेल कार्यालय, जौनपुर (इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर) अथवा 28 मई, 2026 तक क्षेत्रीय खेल कार्यालय, वाराणसी (डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा) में प्रमाण पत्रों सहित उपलब्ध करा सकते हैं। अधिक जानकारी एवं साइटेशन का प्रारूप जौनपुर अथवा वाराणसी कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। उक्त के अन्तर्गत ख्यातिप्राप्त खिलाड़ी, प्रशिक्षक, खेल प्रोत्साहन से जुड़े व्यक्ति अथवा खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अन्य महानुभाव आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए भारत सरकार एवं उ0प्र0 सरकार के सांस्कृतिक विभाग की वेबसाईट पर देख सकते हैं।

# ढाई साल में हिफ्ज मुकम्मल करने पर हुई दस्तारबंदी

**◆ साइंस के साथ दीनी शिक्षा पर जोर**

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय क्षेत्र के एदारूल-उलूम इस्लामिया के मस्जिद कुव्वतुल इस्लाम आजाद में गुरुवार को हिफ्ज की पढ़ाई मुकम्मल करने पर दस्तारबंदी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पाराकमाल गांव निवासी मोहम्मद तलकीन के 16 वर्षीय पुत्र हुजैफा खान को हिफ्ज पूरा करने पर उपाधि प्रदान की गई।

बताया गया कि हुजैफा खान ने महज ढाई वर्षों में हिफ्ज की तालीम पूरी कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर परिजनों में खुशी का माहौल रहा। कार्यक्रम में नाजिम मौलाना तैय्यब ने दुआ कराई।

मुख्य अतिथि मैनेजर मिर्जा अजफर बेग ने कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ दीनी तालीम भी बेहद जरूरी है। उन्होंने व्यवहारिक शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि ऐसी शिक्षा होनी चाहिए, जिसका असर इंसान के किरदार में दिखाई दे। उन्होंने कहा कि एक हाथ में धार्मिक पुस्तक और दूसरे हाथ में साइंस होनी चाहिए, तभी नई पीढ़ी सही मार्ग पर चलते हुए देश और प्रदेश की तरक्की में अहम योगदान दे सकेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता हाफिज अब्दुल वदूद ने तथा संचालन प्रवक्ता अतहर खान ने किया।

इस मौके पर उस्ताद हाफिज वकार अहमद, इफ्तेखार अहमद, मोहम्मद अर्सलान, हाफिज अब्दुर्रहमान, हाफिज अबू सहमा, अतीक अहमद, अब्दुल्लाह खान, तंजीम अहमद समेत अन्य लोग शामिल रहे।

# विश्व रेडक्रास दिवस पर टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शुक्रवार को विश्व रेडक्रॉस दिवस पर इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी जौनपुर के तत्वाधान में क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम में 'यूनाइटेड इन ह्यूमैनिटी मानव बंधुत्व' के क्रम में बड़ी संख्या में मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। मुख्य अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह ने क्षय रोगियों को नियमित दवा के सेवन तथा पोषण पोटली का पूर्ण उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रभात कुमार ने विश्व रेड क्रॉस दिवस पर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी तथा जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विशाल यादव ने क्षय रोगियों को समय से दवा व स्वस्थ पौष्टिक आहार के सेवन करने के लिए प्रेरित किया। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जौनपुर के सचिव डॉ मनोज वत्स ने कहा कि टीबी अब आसानी से ठीक होने वाला मर्ज है सही समय पर दवा लेने यह क्योर हो जाता है तथा मरीजों स्वास्थ्य संबंधित जानकारी देते हुए टीबी से मुक्त होने के उपाय बताये। बड़ी संख्या में उपस्थित क्षय रोगियों को पोषण पोटली प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुशील अग्रहरि ने किया। इस मौके पर चेयरमैन डीसीएफ धनंजय सिंह, डॉ. विमला सिंह, रवि सिंह, सलिल यादव, प्रकांत दुबे, विद्याधर राय, मनीष चौरसिया, उर्वशी सिंह, संजय सिंह, नितेश श्रीवास्तव, सुरेंद्र निषाद राजीव यादव नितिन चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

# राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर वाराणसी में जागरूकता अभियान शुरू, जिला जज ने प्रचार वाहनों को दिखाई हरी झंडी

**डॉ.एस.के.मिश्र**

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में आगामी 9 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए वाराणसी में जागरूकता अभियान शुरू कर दिया गया है।

इसी क्रम में बुधवार को जनपद न्यायालय परिसर से प्रचार-प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इन वाहनों को माननीय जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वाराणसी के अध्यक्ष राजीव शुक्ला ने रवाना किया।

**लोगों को लोक अदालत के प्रति किया जाएगा जागरूक:** इस अवसर पर जिला जज ने कहा कि प्रचार-प्रसार वाहन शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर आम लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति जागरूक करेंगे। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से आपसी सहमति से मामलों का त्वरित और आसान निस्तारण होता है, जिससे लोगों को लंबे कानूनी विवादों से राहत मिलती है। प्रशासन का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक लोग इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने मामलों का समाधान कराएं।

**न्यायिक और प्रशासनिक अधिकारी रहे मौजूद:** कार्यक्रम के दौरान मोटर दावा एवं दुर्घटना अधिकरण के पीठासीन अधिकारी श्री रामकेश, अपर जनपद न्यायाधीश एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत श्री आलोक कुमार सहित जनपद के कई न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा मुख्य राजस्व अधिकारी श्री अजीत कुमार, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अग्रणी जिला प्रबंधक श्री अविनाश अग्रवाल और विभिन्न प्रशासनिक विभागों के कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव राजीव मुकुल पाण्डेय ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक ऋण, मोटर दुर्घटना, पारिवारिक विवाद, बिजली-पानी बिल और अन्य लंबित मामलों का आपसी सहमति से निस्तारण किया जाएगा। इसके लिए व्यापक स्तर पर लोगों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसका लाभ उठा सकें।

# केराकत में युवक के गायब होने से सनसनी, पत्नी ने जताई हत्या की आशंका

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के नालापार (नावघाट) मोहल्ले से एक युवक के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। युवक की पत्नी ने दो लोगों पर पति को साथ ले जाने और हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया है। प्रार्थना पत्र के अनुसार नालापार निवासी बंगाली निषाद इलेक्ट्रॉनिक वायरिंग का कार्य करते हैं। उनकी पत्नी हीरामनी देवी का आरोप है कि 6 मई 2026 की रात लगभग 9:30 बजे साहब लाल निषाद और शम्भू निषाद उनके पति को मोहल्ले से अपने साथ लेकर गए थे। बताया गया कि सीसीटीवी फुटेज में भी दोनों आरोपियों के साथ बंगाली निषाद जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। महिला का कहना है कि काफी देर तक घर वापस न लौटने पर खोजबीन की गई, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। आरोप है कि पूछताछ करने पर दोनों युवक सही जानकारी नहीं दे रहे हैं। वहीं मोहल्ले के कई लोगों ने भी बंगाली निषाद को उनके साथ जाते देखा था। पीड़िता ने आशंका जताई है कि दोनों आरोपियों द्वारा उनके पति की नदी में डुबोकर या गला दबाकर हत्या कर दी गई हो सकती है। महिला ने यह भी बताया कि उनके पति का मोबाइल फोन लगातार स्विच ऑफ बता रहा है। प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपियों में से एक व्यक्ति पूर्व से ही बंगाली निषाद से रंजिश रखता था। पीड़िता ने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच कर पति को जीवित अथवा किसी भी स्थिति में बरामद करने तथा आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

# एसीपी दशाश्वमेध डॉ अतुल अंजान त्रिपाठी के नेतृत्व में ऑनलाइन जुए के खिलाफ चौक पुलिस का बड़ा एक्शन, युवक हिरासत में

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में तेजी से बढ़ रही ऑनलाइन जुआ गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कमिश्नरेट पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में एसीपी दशाश्वमेध डॉ अतुल अंजान त्रिपाठी के निर्देशन में चौक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को ऑनलाइन जुआ खेलते हुए पकड़ लिया। पुलिस टीम ने संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर कार्रवाई कर आरोपी को हिरासत में लिया और पूछताछ के लिए पियरी पुलिस चौकी ले गई। जानकारी के मुताबिक पुलिस युवक के मोबाइल फोन, बैंकिंग एप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डाटा की जांच कर रही है, ताकि ऑनलाइन जुए के नेटवर्क और उससे जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस को आशंका है कि मामला केवल व्यक्तिगत जुए तक सीमित न होकर बड़े नेटवर्क से भी जुड़ा हो सकता है। कमिश्नरेट पुलिस का कहना है कि युवाओं को ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए की लत से बचाने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इस कार्रवाई के बाद इलाके में ऑनलाइन जुआ संचालित करने वालों में बेचैनी बढ़ गई है।

## बारात से लौट रहे युवक पर हमला, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पिलकिछा गांव के गोमती नदी पुल के पास पुरानी रंजिश को लेकर बारात से लौट रहे युवक को रास्ते में रोककर मारपीट करने का मामला सामने आया है। घायल दिग्विजय यादव की तहरीर पर पुलिस ने चार आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कपसियां गांव निवासी दिग्विजय का आरोप है कि वह बाइक से गत रविवार रात महाराजगंज से बारात कार्यक्रम से वापस घर लौट रहा था। रात करीब एक बजे वह गोमती नदी के पास पहुंचा, तभी गांव के ही इंद्रजीत यादव उर्फ नीतू, आशीष यादव, वैभव यादव तथा उनके रिश्तेदार विकास यादव ने उसे रोक लिया। आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडे और घूंसे से उसकी पिटाई की । साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई। मारपीट में युवक को चोटें आई हैं। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है

# बिना परमिट के संचालित 05 स्कूली वाहन थाने में सीज एवं 11 वाहनों का हुआ चालान

**राष्ट्रीय न्यूज सर्विस ब्यूरो प्रमुख जौनपुर बरसाती लाल कश्यप**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये गये है। ए0आर0टी0ओ0 (प्रवर्तन) सत्येन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाकर स्कूली बसों की जॉच की गयी। जिसमें परमिट, फिटनेस एवं अन्य प्रपत्र न मिलने पर 05 बसों को सीज कर दिया जबकि 11 बसों का चालान किया गया। ए0आर0टी0ओ0 (प्रवर्तन) द्वारा स्पष्ट किया गया है कि बसो में परमिट, फिटनेस या सुरक्षा उपकरण न होने पर उन्हें सीज किया जायेगा। उक्त के साथ ड्राइवर के वैध लाइसेंस, स्कूल बस के पीले रंग,

'स्कूल बस' अंकन और सहायक स्टाफ की उपस्थिति अनिवार्य है। स्कूली वाहन पोर्टल से प्राप्त डाटा के अनुसार जनपद जौनपुर में कुल 480 वाहनों का परमिट समाप्त/बिना परमिट के संचालित हो रही है। जनपद के समस्त प्रबन्धक/प्रधानाचार्य/वाहन स्वामी को निर्देशित किया जाता है कि जिन विद्यालयों में वाहनों से बच्चों का आवागमन होता है और उनका परमिट समाप्त/बिना परमिट के संचालित है तो वे तत्काल परमिट का नवीनीकरण/नया परमिट बनवा लें। यद्यपि बिना परमिट के जो भी वाहन संचालित पायी जायेगी उनके विरूद्ध चालान/निरूद्ध की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। उक्त अभियान आगे भी जारी रहेगा। उक्त के साथ यह भी अवगत कराना है कि जिन विद्यालय प्रबन्धन द्वारा अपने वाहनों का परमिट नहीं बनवाया/नवीनीकरण कराया जाता है तो नियमानुसार उनके विद्यालय के मान्यता समाप्त किये जाने हेतु अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। जिसकी समस्त जिम्मेदारी विद्यालय संचालक एवं प्रबन्धक की होगी।

# खुटहन के युवक की कन्नौज जिले में सड़क हादसे में मौत

**नोएडा से घर लौटते समय हुई दुर्घटना, स्वजनों में पसरा मातम**

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डिहिया गांव में उस समय मातम छा गया, जब गांव के एक युवक की कन्नौज जिले में हुए सड़क हादसे में मौत की खबर पहुंची। महज 22 वर्ष की उम्र में बेटे की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। हादसे की सूचना मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया, पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया।

उक्त गॉव निवासी भोला मिश्र (ट्रक चालक) के बड़े पुत्र शोभित मिश्रा नोएडा से एक ट्रक पर बैठ अपने गांव लौट रहे थे। कन्नौज जिले के गुर सहायगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार की भोर चालक को झपकी आ जाने से ट्रक अनियंत्रित होकर हाइवे किनारे खड़ी दूसरी ट्रक में पीछे से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शोभित मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की खबर मिलते ही स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक की माता शशी मिश्रा, छोटे भाई लकी मिश्रा तथा बहनें शिम्पी व शिब्बी के रोने बिलखने से माहौल गमगीन हो गया। गांव के लोग शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाने में जुटे रहे।

## कैदी से हुआ प्यार, सहायक जेल अधीक्षक ने रचाई शादी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मध्य प्रदेश के सतना सेंट्रल जेल में पदस्थ सहायक जेल अधीक्षक फिरोजा खातून की प्रेम कहानी इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। बताया जा रहा है कि जेल में ड्यूटी के दौरान उनकी मुलाकात उम्रकैद की सजा काट रहे कैदी धर्मेंद्र सिंह से हुई थी। समय के साथ दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और रिश्ता प्यार में बदल गया। जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र सिंह के जेल से रिहा होने के बाद दोनों ने परिवार के विरोध के बावजूद शादी करने का फैसला लिया। दोनों ने हिंदू रीति-रिवाज से विवाह रचा लिया। शादी समारोह में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा कन्यादान किए जाने की भी चर्चा है। इस अनोखी प्रेम कहानी को लेकर इलाके में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। सोशल मीडिया पर भी यह मामला तेजी से वायरल हो रहा है।

## रोहियांव निवासी समाजसेवी रामलखन मिश्रा ने उत्तरशक्ति के उपसंपादक प्रेमचंद मिश्रा से की शुभेच्छा भेंट

जौनपुर ( उत्तरशक्ति )। जनपद जौनपुर विकास खण्ड सुजानगंज ग्राम रोहियांव निवासी समाजसेवी पंडित रामलखन मिश्रा ने दिनांक 7 मई 2026 को दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा का हालचाल और स्वस्थ के बारे जानकारी लेने उनके आवास जनपद जौनपुर विकास खंड मछली शहर, पोस्ट पवारा बाजार पहुंचने पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से शुभेच्छा भेंट की। बता दें दिनांक 2 फरवरी 2026 को पैर और कमर में फ्रेक्चर होने के कारण तत्काल मुंगरा बादशाहपुर रुची अस्पताल में लाया गया। जहां से डॉ दीपक चौरसिया ने हालात को देखते हुए प्रयागराज रेफर कर दिया। प्रयागराज के प्रीती नर्सिंग होम में दिनांक 5 फरवरी को डॉ प्रमोद कुमार सिंह ( पी के सिंह ) आर्थो सर्जन ने सफल आप्रेशन किया। उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेने पहुंचे पंडित रामलखन मिश्रा, मुंबई से रमापति मिश्रा, जीवन बीमा निगम सलाहकार विजय चंद मिश्रा, पत्रकार आदित्य मिश्रा, पत्रकार विष्णु कांत मिश्रा भी साथ में पहुंचे और प्रेम चंद मिश्रा का हालचाल जाना तथा शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें ईश्वर से प्रार्थना की।

# कॉर्पोरेट जिहाद और लव जिहाद के खिलाफ वाराणसी से छिड़ेगा जनजागरण अभियान

* बेटी सुरक्षित तो राष्ट्र सुरक्षित
* कॉर्पोरेट जिहाद और लव जिहाद के खिलाफ वाराणसी से छिड़ेगा जनजागरण अभियान
* 1 से 15 जून तक चलेगा हर घर योद्धा अभियान
* युवतियों को निःशुल्क कराटे, मार्शल आर्ट और नानचाकू प्रशिक्षण देने की घोषणा
* हिंदू संगठनों ने कॉर्पोरेट संस्कृति में धार्मिक भेदभाव का भी उठाया मुद्दा

वाराणसी। सिगरा क्षेत्र में आयोजित हिंदू संगठन बैठक में कॉर्पोरेट जिहाद और लव जिहाद के मुद्दे पर व्यापक चर्चा करते हुए हिंदू जनजागृति समिति ने बेटी सुरक्षित, राष्ट्र सुरक्षित अभियान चलाने की घोषणा की। बैठक में कहा गया कि हिंदू समाज की महिलाओं और युवतियों को जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जनजागरण कार्यक्रम, संगोष्ठियां और व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे। बैठक में वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा द्वारा निर्णय लिया गया है कि 1 से 15 जून के बीच ह्हर घर योद्धा अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत युवाओं और महिलाओं को निःशुल्क कराटे, मार्शल आर्ट और नानचाकू का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे आत्मरक्षा के प्रति सक्षम बन सकें। हिंदू जनजागृति समिति के धर्मप्रचारक सद्गुरु निलेश सिंगबाल ने कहा कि समाज में बढ़ती चुनौतियों के बीच हिंदू समाज को संगठित और जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉर्पोरेट संस्कृति में हिंदू परंपराओं और धार्मिक पहचान की उपेक्षा की जाती है, जबकि अन्य धर्मों की परंपराओं को सहज स्वीकार्यता मिलती है।

बैठक में वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा, चौरसिया व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुनील चौरसिया, राष्ट्रभक्त अधिवक्ता समिति के संयोजक संजीवन यादव, ज्ञानवापी प्रकरण से जुड़े डॉ. सोहनलाल आर्य, अधिवक्ता दीपक सिंह, रवि श्रीवास्तव, समिति के विश्वनाथ कुलकर्णी और राजन केशरी सहित कई हिंदुत्वनिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समिति के उत्तर प्रदेश एवं बिहार राज्य समन्वयक विश्वनाथ कुलकर्णी ने कहा कि हिंदू समाज को अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान की रक्षा के लिए संगठित होकर आवाज उठानी होगी। बैठक में समाज के विभिन्न वर्गों तक अभियान को पहुंचाने की रणनीति पर भी चर्चा की गई।

## जौनपुर के युवा समाजसेवी हरिवंश उपाध्याय का समरस फाउंडेशन ने किया सम्मान

मुंबई। महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा आज बोरीवली पूर्व स्थित कार्यालय में जौनपुर के युवा समाजसेवी हरिवंश रामजी उपाध्याय का सम्मान किया गया। संस्था के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह ने शॉल और स्मृति चिन्ह से सम्मान किया। इस अवसर पर संस्था के महासचिव वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, उपाध्यक्ष मुकुंद शर्मा, भोला वर्मा, रामलिंगम तथा मुकेश साहनी उपस्थित रहे। जौनपुर के बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित महदा, बहरीपुर गांव निवासी श्री उपाध्याय का मुंबई में अपना व्यवसाय है। हर वर्ष जाड़े में गांव में रहने हजारों जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित करते हैं। यही नहीं धार्मिक कार्यक्रमों में भी पूरा सहयोग करते हैं। डॉ किशोर सिंह ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। हरिवंश उपाध्याय ने समरस फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए, दिए गए सम्मान के लिए संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया।

# माटुंगा के दयानंद बालक बालिका विद्यालय का 10 वीं का परिणाम शत-प्रतिशत रहा

प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घोषित हुए महाराष्ट्र एसएससी बोर्ड परीक्षा परिणाम में ईश्वर की असीम कृपा, श्रद्धेय बाबू श्री मिठाई लाल सिंह के आशीर्वाद, समर्पित शिक्षकगणों की अथक मेहनत एवं हमारे प्रिय विद्यार्थियों के निरंतर परिश्रम से श्री दयानंद ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने एक बार फिर उत्कृष्ट सफलता का स्वर्णिम अध्याय रच दिया है। हमें अत्यंत गर्व एवं हर्ष के साथ यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि इस वर्ष घोषित हुए एसएससी बोर्ड परीक्षा परिणाम में हमारे सभी विद्यालयों ने प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त कर संस्था की गौरवशाली परंपरा को कायम रखा है। आर्य समाज माटुंगा द्वारा संचालित श्री दयानंद बालक विद्यालय, माटुंगा, दयानंद बालिका विद्यालय, माटुंगा, दयानंद विद्यालय, चारकोप कांदिवली तथा ग्लोबल विजडम एस. डी. स्कूल (इंग्लिश मीडियम), चारकोप कांदिवली – सभी विद्यालयों का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। साथ ही हाल ही में प्रारंभ किए गए जूनियर कॉलेज का परिणाम भी 100 प्रतिशत घोषित हुआ है, जो संस्था के लिए अत्यंत गौरव एवं प्रेरणा का विषय है।

विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि संस्था की अध्यक्षा श्रीमती सुमिता सुमन सिंह के कुशल मार्गदर्शन में श्री दयानंद ग्रुप ऑफ स्कूल्स विगत 18 वर्षों से लगातार उत्कृष्ट परिणाम देकर शिक्षा, संस्कार एवं अनुशासन के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ स्थापित कर रहा है।

संस्था ने इस अभूतपूर्व सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकगणों की निष्ठा, अभिभावकों के विश्वास एवं विद्यालय परिवार के सामूहिक समर्पण को दिया है। अध्यक्षा श्रीमती सुमिता सुमन सिंह ने सभी सफल विद्यार्थियों, शिक्षकगणों एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से

## पश्चिम बंगाल में जीत की मन्नत पूरी होने पर काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे कृपाशंकर सिंह

वाराणसी। पश्चिम बंगाल के चुनाव में लगातार जमकर प्रचार करने वाले महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने आज विश्व प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का दर्शन किया। बाबा विश्वनाथ के दर्शन के साथ उन्होंने अपनी उस मन्नत को पूरा कर लिया, जिसमें उन्होंने बंगाल का चुनाव जीतने के बाद बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने की बात कही थी। कृपाशंकर सिंह ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा था कि बाबा उन्हें निराश नहीं करेंगे। अंततः पश्चिम बंगाल में एक सनातन विरोधी तानाशाही सरकार का अंत हो गया।

## हिंडालको प्रबंधन पर श्रमिकों का आरोप, 12 मई को श्रम विभाग में होगी सुनवाई

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। हिंडालको कारखाने में श्रमिकों की समस्याओं को लेकर मामला अब श्रम विभाग तक पहुंच गया है। उप श्रम आयुक्त कार्यालय पिपरी में 12 मई 2026 को श्रमिकों की मांगों और हटाए गए कर्मचारियों के मुद्दे पर सुनवाई एवं वार्ता आयोजित की जाएगी। श्रमिकों का आरोप है कि ट्रेनी और बदली श्रमिकों को बिना किसी ठोस कारण के नियम विरुद्ध तरीके से नौकरी से हटा दिया गया। श्रमिक नेताओं ने इसे हिंडालको प्रबंधन की मनमानी बताते हुए कहा कि कारखाने के इतिहास में पहली बार इस प्रकार की कार्रवाई की गई है। श्रमिकों द्वारा दिए गए 12 सूत्रीय मांग पत्र में रोजगार सुरक्षा, श्रमिक हितों की रक्षा और हटाए गए कर्मचारियों की बहाली की मांग प्रमुख रूप से शामिल है। श्रमिक प्रतिनिधियों ने एचआर हेड जसवीर सिंह पर स्थानीय युवाओं की भर्ती बंद करने और कर्मचारियों के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जिन युवाओं को कारखाने के विकास में योगदान देना था, उन्हें ही रोजगार से बाहर कर दिया गया, जिससे उनमें भारी नाराजगी है। श्रमिक संगठनों ने प्रबंधन से मांग की है कि 12 मई से पहले हटाए गए सभी श्रमिकों को पुनः काम पर रखा जाए। उधर, श्रमिक नेताओं ने हटाए गए कर्मचारियों से अपील की है कि वे अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ 12 मई को उप श्रम आयुक्त कार्यालय पहुंचकर अपनी बात रखें, ताकि उनके हितों की रक्षा के लिए प्रभावी कार्रवाई हो सके।

# प्रवासी सम्मेलन में पूर्वांचल से हो रहे पलायन को रोकने पर हुआ विमर्श

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर नगर में पहली बार प्रवासी सम्मेलन का आयोजन करके मुंबई में रह रहे प्रवासियों ने पूर्वांचल से पलायन रोकने की पहल की। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में प्रवासी उद्योगपतियों के अलावा स्थानीय राजनेताओं की उपस्थिति रही। इस दौरान जौनपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज और भदोही के प्रवासी मौजूद रहे। सम्मेलन में आए सभी वक्ताओं ने प्रवासी उद्योगपतियों से अपील किया कि रोजगार के मामले में सरकार के सहारे रहने की जरूरत नहीं है। इसके लिए खुद आगे आना होगा। जरूरी है कि सभी लोग अपने जिलों में भी उद्योग लगायें, ताकि युवाओं को उनकी योग्यता के हिसाब से काम मिल सके। इसके साथ ही महानगरों में स्थापित बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों को आमंत्रित करके रोजगार मेला लगाने का भी निश्चय किया गया। इस अवसर पर मडियाहूं के विधायक डा आर के पटेल, रानीगंज के वरिष्ठ भाजपा नेता पंकज मिश्रा, मुंगरा बादशाहपुर भाजपा के पूर्व प्रत्याशी अजय शंकर दुबे, बसपा नेता विनोद मिश्रा, भाजपा नेता मनोज द्विवेदी, समाजसेवी डा अमर मिश्रा, युवा उद्यमी आनंद पांडेय, राहुल दूबे, भदोही के वरिष्ठ पत्रकार हरीश सिंह, वेस्टर्न ऑब्जर्वर के संपादक परमेंद्र सिंह, जिला पंचायत सदस्य रामकिंकर पांडेय, भाजपा नेत्री अर्चना शुक्ला, किरन मौर्या, महेंद्र पांडेय, कमलाकांत पांडेय समेत कई गांवों के प्रधान, बीडीसी सदस्य एवं भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मुकेश त्रिपाठी ने किया और आयोजन की व्यवस्था में संपादक राजेश उपाध्याय एवं अभिज्ञान उपाध्याय एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम की सफलता में ग्राम प्रधान तरहठी चंद्रेश गुप्ता, भाजपा नेता भरत तिवारी, बीडीसी सदस्य संतोष उपाध्याय, पूर्व बीडीसी विद्याधर शुक्ल, अमित दूबे, अमरीश दुबे आदि का योगदान रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी भोलानाथ मिश्रा, सतहरिया प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रमोद दुबे, युवा अधिवक्ता विष्णु कांत तिवारी और हाल ही में पीसीएस में चयनित तरहठी निवासी करुणाशंकर शुक्ला के परिजनों का सम्मान भी किया गया।

# ठा.भुवाल सिंह पुनः बने अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, महाराष्ट्र के अध्यक्ष

-लाल शेखर सिंह ब्यूरो

नाशिक (उत्तरशक्ति)। जीवन में सृजनात्मक सोच, लगन और कर्मठता के साथ कार्य करने वाले व्यक्ति को सफलता अवश्य प्राप्त होती है। समाज ऐसे व्यक्तित्व के प्रति विश्वास और सम्मान का भाव रखता है। ऐसा ही एक प्रतिष्ठित नाम है सफल उद्योगपति एवं समाजसेवी ठाकुर भुवाल सूबेदार सिंह का।

जौनपुर की धरती से निकलकर महाराष्ट्र के नाशिक में अपने व्यवसाय की शुरूआत करने वाले ठाकुर भुवाल सूबेदार सिंह ने अपनी कार्यकुशलता, मेहनत, सहज व्यवहार और दूरदर्शिता के बल पर आज स्वयं को प्रमुख उद्योगपतियों की अग्रिम पंक्ति में स्थापित किया है। व्यवसाय के साथ-साथ वे एक वरिष्ठ समाजसेवी तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता के रूप में भी सक्रिय हैं। इसके अतिरिक्त वे कई सामाजिक एवं प्रतिष्ठित संस्थाओं में महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। उनके सामाजिक योगदान, संगठनात्मक क्षमता और सक्रिय कार्यशैली को देखते हुए अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप सिंह ने उन्हें पुनः महाराष्ट्र प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया है। नियुक्ति पत्र प्राप्त होते ही पूरे महाराष्ट्र सहित देशभर के शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। बधाई देने वालों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। समाज के आम से लेकर विशिष्ट लोगों तक की शुभकामनाओं ने इस अवसर को और अधिक गौरवपूर्ण बना दिया।

इस अवसर पर अभिभूत ठाकुर भुवाल सूबेदार सिंह ने कहा कि समाज द्वारा दी गई इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाने का पूरा प्रयास करेंगे।

## दुनिया के सबसे बड़े तेल संकट का असर भारतीय उपभोक्ताओं को क्यों महसूस नहीं हुआ

मुंबई। पिछले दो महीनों में दुनिया ने दशकों के सबसे गंभीर ऊर्जा संकटों में से एक का सामना किया। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज – जहां से दुनिया के लगभग 20% कच्चे तेल और वैश्विक छठऋव्यापार का करीब पांचवां हिस्सा गुजरता है – पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण गंभीर व्यवधान के खतरे के करीब पहुंच गया था। कुछ ही हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतें लगभग 73 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 126 डॉलर तक पहुंच गईं, यानी 72% से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। शिपिंग लागत में तेज बढ़ोतरी हुई, छठऋआपूर्ति प्रभावित हुई और दुनिया भर की सरकारों ने ईंधन राशनिंग, ऊर्जा बचत सलाह, कम कार्य सप्ताह और सीधे ईंधन मूल्य वृद्धि जैसे आपातकालीन कदम उठाने शुरू कर दिए। वैश्विक ऊर्जा विशेषज्ञों ने इस स्थिति को गल्फ वॉर के बाद का सबसे बड़ा तेल आपूर्ति संकट बताया। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि यदि होर्मुज में अस्थिरता लंबे समय तक बनी रहती है, तो ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों में व्यापक महंगाई की लहर पैदा हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में लगातार यह रेखांकित किया गया कि आयातित ऊर्जा पर निर्भर देशों के सामने आपूर्ति सुरक्षा बनाए रखने और उपभोक्ताओं को बढ़ती महंगाई से बचाने की दोहरी चुनौती होगी। ऐसे माहौल में भारत की प्रतिक्रिया लचीलापन और दूरदर्शी तैयारी का एक महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर सामने आई। दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक देशों में शामिल होने और ऐतिहासिक रूप से लगभग 88% कच्चे तेल की आपूर्ति होर्मुज मार्ग से जुड़ी होने के बावजूद, भारत ने आम उपभोक्ताओं के दैनिक जीवन को लगभग पूरी तरह सामान्य बनाए रखा।

## नाव से सेल्फी लेते समय डूबने से डी.यू के पूर्व छात्र की हुई मौत

वाराणसी ( उत्तरशक्ति )। जनपद के दशाश्वमेध थाना क्षेत्र के मानमंदिर घाट पर रील बनाते और सेल्फी लेते समय बुधवार रात करीब 1:40 बजे गंगा में गिरने से दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र हर्षवर्धन राठौर की डूबकर मौत हो गई। करीब सात घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद एनडीआरएफ और जल पुलिस ने बृहस्पतिवार सुबह उसका शव बरामद किया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

ग्रेटर नोएडा निवासी हर्षवर्धन राठौर अपने पांच दोस्तों कुशाग्र सिंह, दुर्गेश सिंह उर्फ रुद्र, विपुल सिंह, जीत सिंह और ललित कुमार के साथ बुधवार को वाराणसी घूमने आया था। देर रात सभी दोस्त गंगा में नाव विहार कर रहे थे। इसी दौरान हर्षवर्धन मोबाइल से रील और सेल्फी बना रहा था। पुलिस के अनुसार, वह एक नाव से दूसरी नाव पर चढ़ने का प्रयास कर रहा था, तभी संतुलन बिगड़ने से गंगा में गिर गया और तेज बहाव में डूब गया। दोस्तों के शोर मचाने पर स्थानीय मल्लाहों ने तत्काल खोजबीन शुरू की, लेकिन अंधेरा और तेज धारा के कारण सफलता नहीं मिली।

## आईजीआरएस रैंकिंग में फिर चमका वाराणसी, पूरे प्रदेश में हासिल किया पहला स्थान

VARANASI POLICE
सुरक्षा आपकी, संकल्प हमारा

वाराणसी। जनसुनवाई, शिकायतों के त्वरित निस्तारण और जवाबदेह पुलिसिंग के दम पर पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी ने एक बार फिर प्रदेश में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। माह अप्रैल 2026 की जारी आईजीआरएस रैंकिंग में कमिश्नरेट वाराणसी को पूरे उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। लगातार छह माह से प्रदेश में शीर्ष स्थान बनाए रखना कमिश्नरेट पुलिस की कार्यशैली, पारदर्शिता और जनकेंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल के कुशल निर्देशन, सतत समीक्षा और प्रभावी मॉनिटरिंग के चलते यह उपलब्धि हासिल हुई है। आमजन की शिकायतों के समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और निष्पक्ष निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पोर्टल पर प्राप्त प्रत्येक प्रकरण की नियमित समीक्षा की गई। यही वजह रही कि अप्रैल माह की रैंकिंग में वाराणसी कमिश्नरेट ने प्रदेशभर में पहला स्थान प्राप्त किया। कमिश्नरेट पुलिस द्वारा शिकायतों के निस्तारण में केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि और समस्या के वास्तविक समाधान पर विशेष फोकस किया गया। पुलिस आयुक्त स्वयं प्रत्येक सप्ताह लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते रहे और संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश देते रहे। विशेष बात यह है कि वाराणसी कमिश्नरेट पिछले छह माह से लगातार आईजीआरएस रैंकिंग में नंबर-1 बना हुआ है। यह उपलब्धि न केवल पुलिस प्रशासन की जवाबदेही को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि तकनीक आधारित पारदर्शी व्यवस्था और मजबूत मॉनिटरिंग से आमजन को त्वरित न्याय और राहत दिलाई जा सकती है। कमिश्नरेट वाराणसी की यह सफलता प्रदेश में जनसुनवाई और शिकायत निस्तारण की एक नई मिसाल के रूप में देखी जा रही है।

# ZEE5 ने 15 मई 2026 को तिघी के वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर की घोषणा की

ठाणे/नवी मुंबई। सिनेमाघरों में रिलीज के दौरान समीक्षकों की सराहना और दर्शकों का भरपूर प्यार पाने के बाद, तिघी अब 15 मई 2026 को ZEE5 पर अपने वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर के साथ दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचने के लिए तैयार है। जिजीविषा काले द्वारा अपने पहले फीचर के रूप में निर्देशित और सुप्रि एडवरटाइजिंग एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित, तिघी एक भावनात्मक मराठी ड्रामा है, जो परिवार, खामोशी और रिश्तों को आकार देने वाले अनकहे सच की जटिलताओं को संवेदनशीलता से दर्शाती है।

यह फिल्म स्वाति रानडे-कर्णिक [नेहा पेंडसे बायस] की कहानी है, जो 40 वर्षीय महिला है। मुंबई में उसकी सामान्य दिखने वाली जिंदगी धीरे-धीरे निजी और आर्थिक परेशानियों के कारण बिखरने लगती है। जब उसे पता चलता है कि उसकी अलग रह रही मां हेमलता रानडे [भारती आचरेकर] अपनी जिंदगी के अंतिम पड़ाव पर हैं, तो स्वाति अपने बचपन के घर पुणे लौटती है। वहां उसे अपने उस अतीत का सामना करना पड़ता है, जिसे वह काफी पीछे छोड़ चुकी थी। पुणे में उसकी मुलाकात अपनी छोटी बहन सारिका [सोनाली कुलकर्णी] से होती है, जो अकेले अपनी बीमार मां की देखभाल कर रही है। दोनों बहनों का यह मिलन तनाव और भावनाओं से भरा होता है, उनके बीच आरोप-प्रत्यारोप, पुरानी नाराजगी और लंबे समय से दबे जख्म फिर सामने आने लगते हैं। अपराधबोध, गुस्से और बेबसी से जूझ रही इन तीनों महिलाओं के रिश्ते की नाजुक डोर तब और कठिन परीक्षा से गुजरती है, जब उनकी मां अपनी अंतिम सांसें उनके साथ नहीं, बल्कि हॉस्पिस(विशेष देखभाल केंद्र) में बिताने की इच्छा जताती हैं। निर्देशक जीजिविषा काले ने कहा, तिघी एक बेहद निजी कहानी है, जो परिवारों के भीतर मौजूद खामोशियों और भावनात्मक जटिलताओं को दशार्ती है। मेरा मानना है कि जो व्यक्तिगत होता है, वही सार्वभौमिक भी होता है, और यह फिल्म उसी ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ एक कहानी कहने का मेरा प्रयास है। सिनेमाघरों में रिलीज के दौरान मिली प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक रही है, और मैं आभारी हूं कि एए5 के साथ अब यह फिल्म एक बहुत बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंच पाएगी।

## इंदौर के सांवेर-उज्जैन रोड पर मिले 2.83 करोड़, तीन बैग में रखे थे, 500 के नोटों की गड्डियों के बीच भरे थे रंगीन पेपर

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर(उत्तरशक्ति)। सांवेर-उज्जैन रोड पर गुरुवार सुबह पुलिस ने तीन संदिग्ध बैगों से करीब 500 रुपए के नोटों की 566 गड्डियां बरामद की हैं। बैगों में नोटों के बीच अलग-अलग रंगों के कागज भी रखे हुए थे। शुरूआती जांच में नोट असली जैसे दिखाई दे रहे हैं, हालांकि पुलिस ने उनकी सत्यता की पुष्टि के लिए जांच शुरू कर दी है।ग्रामीण थाना पुलिस के मुताबिक सड़क किनारे लावारिस हालत में तीन बैग पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही टीआई गिरजाशंकर महोबिया पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां पहले से ग्रामीणों की भीड़ जमा थी।एडीशनल एसपी महू रूपेश द्विवेदी ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 10 बजे एक किसान ने सड़क किनारे संदिग्ध बैग पड़े होने की सूचना पुलिस को दी थी। शुरूआती जांच में सामने आया है कि गड्डियों के ऊपर लगे कुछ नोट असली हैं, जबकि नीचे नकली नोट और बीच में कागज रखे गए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और नोटों की वास्तविकता को लेकर विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि संदिग्ध परिस्थितियों में ये बैग वहां कौन छोड़कर गया। इसके लिए हाईवे के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस को इस मामले की सूचना स्थानीय ग्रामीणों द्वारा दी गई थी।एडीशनल एसपी महू रूपेश द्विवेदी ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 10 बजे एक किसान ने सड़क किनारे संदिग्ध बैग पड़े होने की सूचना पुलिस को दी थी। शुरूआती जांच में सामने आया है कि गड्डियों के ऊपर लगे कुछ नोट असली हैं, जबकि नीचे नकली नोट और बीच में कागज रखे गए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और नोटों की वास्तविकता को लेकर विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि संदिग्ध परिस्थितियों में ये बैग वहां कौन छोड़कर गया। इसके लिए हाईवे के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस को इस मामले की सूचना स्थानीय ग्रामीणों द्वारा दी गई थी।एडीशनल एसपी महू रूपेश द्विवेदी ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 10 बजे एक किसान ने सड़क किनारे संदिग्ध बैग पड़े होने की सूचना पुलिस को दी थी। शुरूआती जांच में सामने आया है कि गड्डियों के ऊपर लगे कुछ नोट असली हैं, जबकि नीचे नकली नोट और बीच में कागज रखे गए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और नोटों की वास्तविकता को लेकर विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि संदिग्ध परिस्थितियों में ये बैग वहां कौन छोड़कर गया। इसके लिए हाईवे के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस को इस मामले की सूचना स्थानीय ग्रामीणों द्वारा दी गई थी।